ओम सांई राम
सुरभि बोरवेल्स
SURBHI BORWELL'S
7, 6 एवं 4.5 नलकूप खनन हेतु संपर्क करें

संदीप मिश्रा
मो.-9826106555, 9329023102
रिसाली, कृष्णा टॉकीज रोड, डॉ. विपिन अरोरा के बाजू में, एक्सिस बैंक के एटीएम के पीछे, भिलाई (छ.ग.)

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से
सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग
लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल
श्रीकंचनपथ ONLINE
वर्ष- 13, अंक - 353
visit us http://www.shreekanchanpath.com
भिलाई, मंगलवार 11 अक्टूबर 2022
पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

रेलवे का बड़ा तोहफा : 300 से ज्यादा ट्रेनें बहाल, 40 से अधिक ट्रेनों में लगे एक्स्ट्रा कोच

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कोरोना काल से बंद व बीच-बीच मे रद्द रहने वाले अधिकतर ट्रेनों को रेलवे ने बहाल कर दिया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गम दुर्ग, रायपुर व बिलासपुर से होकर जाने वाली 300 से ज्यादा ट्रेनों केा बहाल करने के साथ ही त्योहारी सीजन में 42 ट्रेनों में एक्स्ट्रा कोच लगाया गया हैं। बिलासपुर जोन के अंतर्गत रायपुर रेल मंडल से चलने वाली सभी 200 एक्सप्रेस ट्रेनों के साथ ही 127 पैसेंजर ट्रेनों को बहाल कर दिया गया है। इसके कारण यात्रियों को कन्फर्म बर्थ भी मिल रही है और यात्रा भी आसान हो गई है।

कोविड-19 संक्रमण के दौरान लॉकडाउन को देखते हुए देशभर में रेलवे ने ट्रेनें रोक दी थी। इसके बाद स्पेशल ट्रेनें चलाई गई। संक्रमण थमने के बाद रेलवे धीरे-धीरे पटरी पर आया। इसके बाद रेलवे ने कोयला लदान, मेंटेनेंस व अन्य विकास कार्यों के नाम पर कई बार ट्रेनों को रद्द किया। इस दौरान दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की अधिकतर ट्रेनें प्रभावित हुई। बीते कुछ माह से सैकड़ों ट्रेनों को समय समय पर रद्द किया गया। फ्लिहाल रेलवे अपनी सभी ट्रेनों को बहाल कर दिया है। और यात्रियों की सुविधा को देखते हुए अतिरिक्त कोच भी लगाए जा रहे हैं।

200 एक्सप्रेस और 127 पैसेंजर ट्रेनें पटरी पर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोन से 343 ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा था जिसे कोरोना काल में पूरी तरह से बंद कर दिया गया था। अब रेलवे ने लगभग सभी ट्रेनों केा बहाल कर दिया है। 200 मेल व एक्सप्रेस तथा 127 पैसेंजर व लोकल ट्रेनों को शुरू कर दिया गया है। कुछ

लोकल ट्रेनें अभी बहाल नहीं हुई है जिन्हें जल्द बहाल करने की बात कही जा रही है। वहीं रेलवे ने त्योहारी सीजन में यात्रियों की सुविधा के लिए जरूरत के अनुसार एक्स्ट्रा कोच लगाया जा रहा है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे फेस्टिव सीजन को देखते हुए 42 ट्रेनों में अतिरिक्त शयनयान और वातानुकूलित कोच लगाने का फैसला लिया। दुर्ग-निज़ामुद्दीन-दुर्ग हमसफर एक्सप्रेस में दो एसी थ्री और दुर्ग-अजमेर-दुर्ग एक्सप्रेस में एक एसी थ्री अतिरिक्त कोच की स्थाई सुविधा दी जा रही है। ट्रेन नंबी 05755/05756 चिरमिरी-अनूपपुर-चिरमिरी पैसेंजर स्पेशल के सभी 5 स्लीपर कोच को सामान्य कोच घोषित करते हुए यात्रियों को अनारक्षित टिकट के साथ यात्रा की सुविधा दी गई।

सभी ट्रेनों को किया गया बहाल

रेलवे बिलासपुर जोन के जनसंपर्क अधिकारी साकेत रंजन ने बताया कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत बंद व रद्द की गई अधिकांश ट्रेनों को बहाल कर दिया गया है। वर्तमान में 16 पैसेंजर और लोकल ट्रेनें ही ऐसी बची हैं जिन्हें बहाल नहीं किया जा सका है। उन्होंने कहा कि कुछ तकनीकी कारणों से इन पैसेंजर ट्रेनों शुरू नहीं किया गया है जल्द ही इन ट्रेनों को भी बहाल कर दिया जाएगा।

खास खबर

छत्तीसगढ़ सरकार अब हर साल सैनिक परिवारों को देगी पांच हजार की सहायता

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने दिवाली के पहले सैनिक परिवारों और सैनिकों को बड़ा तोहफा दिया है। सरकार अब हर साल सैनिकों को पांच हजार रुपए सहायता राशि देगी। मिली जानकारी के अनुसार सभी सेवारत और सेवानिवृत्त सैनिक जो अपने पालक के एकमात्र संतान है, उनके पालक (माता-पिता) को इनाम स्वरूप प्रतिवर्ष पांच हजार रुपए की राशि छत्तीसगढ़ शासन देगी।

जिला सैनिक कल्याण अधिकारी रायपुर ने बताया कि रायपुर जिले के अतिरिक्त धमतरी, गरियाबंद, महासमुंद एवं बलौदाबाजार जिले के भूतपूर्व सैनिक एवं सेवानिवृत्त सैनिक के पालक जिला सैनिक कल्याण अधिकारी रायपुर के कार्यालय में आवेदन कर आर्थिक लाभ ले सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए जिला सैनिक कल्याण कार्यालय रायपुर से कार्यकालीन समय मे स्वयं या फिर दूरभाष क्रमांक 0771-2237449 एवं मोबाइल नंबर 7646853020 पर संपर्क कर सकते हैं।

छत्तीसगढ़ में फिर एक बार ईडी की धमक, रायपुर सहित अन्य जिलों में रेड

सीएम बघेल बोले डराने की कोशिश चुनाव तक यह लोग बार-बार आएंगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अलग अलग जिलों में मंगलवार को ईडी की टीमों ने रेड की है। राजधानी रायपुर के साथ ही रायगढ़, बिलासपुर, कोरबा और महासमुंद जिले में ईडी का छापा पड़ा है। इन प्रमुख शहरों में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारी सोमवार देर रात से ही पहुंचे हुए थे। मंगलवाल तड़के टीमों ने अपनी कार्रवाई शुरू की। एक ही वक्त पर ईडी के अधिकारी 10 से ज्यादा जगहों पर अलग-अलग टीम बनाकर कार्रवाई शुरू की। वहीं ईडी के छापों पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि केन्द्र सरकार डाराने की कोशिश कर रही है। चुनाव तक ये बार-बार आते रहेंगे।

मिली जानकारी के अनुसार ईडी की अफसरों ने सीआरपीएफकी टीम के साथ दबिश दी है। अधिकारियों और कारोबारियों के घरों में दस्तावेजों को खंगाला जा रहा है। इन अधिकारियों और कारोबारियों को लेकर ईडी को करोड़ों रुपए के अवैध लेनदेन की सूचना मिली थी। इसी संबंध में जांच की जा रही है। कोरबा के ट्रांसपोर्ट नगर और अग्रसेन मार्ग पर तीन व्यापारियों के ठिकानों में ईडी की टीम ने दबिश दी है। पुलिसकर्मियों को घर और कार्यालय के

पास तैनात किया गया है।

इसके अलावा रायपुर, महासमुंद, दुर्ग, रायगढ़ आदि जिलों में भी ईडी की टीमें कार्रवाई कर रही हैं। बताया जा रहा है कि ईडी की टीमें कुछ नेताओं के ठिकानों पर भी पहुंची हैं। इनमें रायगढ़ के कलेक्टर रानू साहू, सीएम की उप सचिव सौम्या चौरसिया का भी नाम शामिल है। उनके अलावा खनन विभाग के निदेशक आईएएस अधिकारी जेपी मौर्या, मार्कफेड के एमडी और आईएएस अधिकारी समीर विश्नोई, सूर्यकांत तिवारी के ठिकानों पर छापेमारी की कार्रवाई चल रही है। ईडी की टीमें ओडिशा और और पश्चिम बंगाल की गाड़ी में पहुंची हैं। बताया जा रहा है कि अधिकारियों को संबंधित लोगों के पास से करोड़ों के अवैध लेनदेन का इनपुट मिला था इसी की जांच की जा रही है।

सीधे नहीं लड़ पा रहे तो ईडी का डर दिखा रहे हैं: सीएम बघेल

ईडी की कार्रवाई पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का भी बयान आया है। मुलायम सिंह यादव के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मीडिया से चर्चा के दौरान कहा है कि भाजपा सीधे लड़ नहीं पा रही है तो ईडी-आईटी, डीआरआई के माध्यम से डराने की कोशिश कर रही है। सीएम ने कहा कि मैंने पहले ही कहा था केन्द्रीय जांच एजेंसियां बार बार आएंगी। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आएगा इनकी यात्राएं बढ़ेंगी। यह डराने-धमकाने का ही काम है। उसके अलावा कुछ नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा, एक तो ये परेशान करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि साढ़े छह हजार करोड़ का चिटफंड कंपनियों में लोगों का पैसा डूबा है। उसमें संज्ञान लें, उसमें यह लोग कुछ नहीं करेंगे। केन्द्र सरकार लगातार केन्द्रीय जांच एजेंजियों का दुरपयोग कर रही है और यह जनता भी देख रही है।

बिलासपुर गोलीकांड के दोनों आरोपी गिरफ्तार

ट्रेन का पीछा कर बदमाशों को दबोचा बिहार भागने की फिराक थे आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। रविवार की रात को पचपेडी थाना क्षेत्र में हुई गोलीकांड के दोनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हत्याकांड के बाद दोनों आरोपी बिहार भागने की फिराक में भाटापारा रेलवे स्टेशन से सारनाथ एक्सप्रेस से जा रहे थे। पुलिस को सूचना मिली तो ट्रेन का पीछा कर आरोपियों को दबोच लिया। घटना के बाद एसएसपी पारुल माथुर ने एंटी क्राइम एंड सायबर यूनिट के साथ 17 सदस्यों की टीम बनाई थी जिन्हें आरोपियों को पकड़ने में जल्द ही सफलता मिल गई।

बता दें मिली जानकारी के अनुसार पचपेड़ी थाना क्षेत्र के मानिकचौरी निवासी मंगतूराम कि किराना दुकान में वहीं के दो युवक भूपेंद्र पोर्ते और नंदकिशोर साहू गुटका लेने पहुंचे। इस दौरान मंगतू खाना खा रहा था। उसने अपने बेटे अनिश (17) को गुटखा देने कहा। अनिश जब गुटखा दे रहा था तब दोनों युवक उससे विवाद करने लगे। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों युवकों ने अनिश पर फायरिंग कर दी। इस दौरान घर के अन्य लोग भी बाहर निकल गए। फायरिंग के बाद दोनों बदमाश वहां से भाग गए।

फायरिंग के कारण अनिश गंभीर रूप घायल हो गया और उसे आसपास के लोगों ने उसे तत्काल मस्तूरी अस्पताल पहुंचाया। हॉस्पिटल पहुंचने से पहले ही अनिश की मौत हो गई। इस घटना में मंगतूराम व उसकी पत्नी व बेटी भी घायल हुए हैं उन्हें भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जांच के लिए एसएसपी ने स्पेशल टीम बनाई। जांच के दौरान पता चला कि हत्याकांड के बाद दोनों आरोपी भागकर बलौदाबाजार पहुंच गए। बलौदाबाजार में नंदू साहू का ससुराल है लेकिन ससुराल वालों ने दोनों को भगा दिया।

बिहार भागने की फिराक में थे आरोपी

इसके बाद पुलसि ने बलौदाबाजार में टीम को लगा दिया। इधर दोनों आरोपियों को पचपेडी क्षेत्र के रहने वाले वीर सिंह के साथ देखा गया था। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने बताया कि दोनों आरोपी भाटापारा स्टेशन में सारनाथ एक्सप्रेस में चढ़कर निकल गए थे। इसके बाद पुलिस ने दोनों को पकड़ने बिलासपुर व उस्लापुर में टीमों को लगा दिया। उसलापुर में ट्रेन रूकते ही पुलिस ने तलाशी ली तो आरोपी भूपेंद्र पोर्ते पकड़ा गया। वहीं, दूसरा आरोपी नंदू साहू ट्रेन में छिप गया था जिसे कोटा स्टेशन से पकड़ लिया गया। गिरफ्तारी के बाद आरोपियों ने बताया वे बिहार भागने की फिराक में थे।

बिलासपुर के मिरर और ऑयल कुलेंट गोदाम में भीषण आग

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। सोमवार देर रात यहां के एक कॉम्पलेक्ट की तीसरी मंजिल में भीषण आग लग गई। आग इतनी भयानक थी अगल बगल के लोगों ने बचने के लिए दूसरे की छतों का सहारा लिया। आग यहां के मिरर और ऑयल कुलेंट गोदाम में आग लगी जिससे पूरा गोदाम जलकर खाक हो गया।

मिली जानकारी के अनुसार शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के दयालबंद में रहने वाले

अभिषेक छाबड़ा की जरहाभाठा मंदिर चौक के स्थित सुभाष कॉम्प्लेक्स में मोटर पार्ट्स की दुकान है। कॉम्प्लेक्स के ऊपरी मंजिल में गोदाम है जहां पर बड़ी मात्रा में कांच सामान के साथ ऑयल कुलेंट रखे हुए थे। सोमवार रात 9 बजे के बाद दुकान व गोदाम बंद करके चले गए। इसके बाद रात लगभग 10:30 बजे से 11 बजे के बीच गोदाम से तेज लपटें निकलने लगी।

जानकारी लगते ही पुलिस व फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। कुछ देर में दुकान का मालिक भी पहुंच गया। आग की लपटें इतनी तेज थी कि बाहर तक निकल रही थी। दहशत के मारे आसपास के लोग छतों पर चढ़ गए। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने पहले बिजली बंद कराई और उसके बाद रेस्क्यू शुरू किया।

50 वें सीजेआई होंगे जस्टिस चंद्रचूड़

नई दिल्ली। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ देश के 50वें सीजेआई होंगे। सीजेआई यूयू ललित ने कानून मंत्री किरन रिजिजू को उनके नाम की सिफारिश की है। सीजेआई ललित 8 नवंबर को रिटायर हो जाएंगे। जस्टिस चंद्रचूड़ 9 नवंबर को सीजेआई के रूप में शपथ लेंगे। सीजेआई ललित ने मंगलवार सुबह स्ट के जजों की उपस्थिति में पर्सनली जस्टिस चंद्रचूड़ को अपने पत्र की एक कॉपी सौंपी। जस्टिस चंद्रचूड़ के पिता यशवंत विष्णु देश के 16वें सीजेआई थे।

अब करवा चौथ की एडवाइजरी

श्रीकंचनपथ

करवा चौथ को पहले उत्तर भारत का ही पर्व माना जाता था। विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए और कुंवारी कन्याएं स्वस्थ-सुन्दर पति के लिए यह व्रत करती थीं। टीवी सीरियल्स और हिन्दी फिल्मों ने अब इसे अखिल भारतीय पर्व बना दिया। अब पति-पत्नी का व्रत हो और उपहार की बात न हो यह तो हो नहीं सकता. अब तक लोग अपनी पत्नियों की इच्छा के अनुरूप उपहार देते थ। पर अब इसमें भी एडवाइजरी जारी हो गई है। प्रत्येक तीज त्यौहार के साथ शुभ मुहूर्त और शुभ-अशुभ उपहारों की चर्चा इन दिनों आम है। हिन्दी के अखबारों से लेकर सोशल मीडिया तक में इसपर काफी कुछ पढ़ने को मिल जाता है. इस बार करवा चौथ को लेकर एडवाइजरी जारी की गई है। इसमें कहा गया है कि चूंकि यह पर्व सुहागिनों का है। इसलिए इसमें लाल, पीले या हरे रंग का ही वस्त्र उपहार में देना चाहिए। श्वेत और काले रंग से बचना चाहिए. इन रंगों को शास्त्रों में अशुभ माना गया है। गोरी चिट्टी युवतियों से लेकर महिलाओं तक में इन दिनों डार्क या सीधे ब्लैक कलर का फैशन है। मैक्सिमम कंट्रास्ट के कारण ये कलर उनपर खूब फबते भी हैं। वैसे भी काले रंग के अशुभ होने का कोई प्रमाण नहीं है। सफेद को भी केवल वैधव्य से जोड़कर देखना उचित नहीं है। माता सरस्वती की कल्पना 'शुभ्र वस्त्रावृता' के रूप में की गई है। यह पवित्रता का भी रंग है। बच्चों को नजर से बचाने के लिए काले रंग का टीका लगाया जाता है। इन दिनों लड़कियां टखने पर काले रंग का धागा भी शायद इसी प्रयोजन से बांधती हैं। फिर इन एडवाइजरियों का क्या मतलब निकाला जाए? एडवाइजरी के अनुसार जिन वस्तुओं को खरीदने की सिफारिश की गई है वह वैवाहिक खरीदी से जुड़ी हैं. लाल और पीले वस्त्र दुल्हन के श्रृंगार का हिस्सा हैं। गायत्री परिवार पीले को प्राथमिकता देता है जबकि अन्यान्य सनातनी लाल जोड़े को श्रेष्ठ मानते हैं. वैसे इन दिनों रंग-बिरंगी घाघरा-चोलियों का चलन है। इसके अलावा उपहार में जेवरों की बात की गई है। ब्लैक मेटल और ह्वाइट मेटल के गहने, मोतियों की माला को इससे अलग कर दिया गया है. बच गए हैं सोने-चांदी के गहने। इससे ऐसा आभास होता है कि शुभ-अशुभ फल निकालने वाले बाजार की ताकतों के हवाले हो गए हैं। बाजार जैसा चाहता है, वे वैसी एडवाइजरी जारी कर देते हैं। दरअसल, भारतीय तीज त्यौहारों की यही खूबसूरती है. इसमें सभी वर्गों के व्यापार का भी ध्यान रखा जाता है। मिट्टी का नांदिया बैला, मिट्टी के दीपक, धान की बालियां, कमल का फूल, लाल-पीले रंग का सूती कपड़ा, गाय-बैल की साज सज्जा की वस्तुएं, सभी वर्गों के लिए साल में एक बार रोजगार का अवसर लेकर आती हैं। शीत ऋतु प्रारंभ होने से पहले किसी न किसी पर्व के बहाने नए वस्त्रों की व्यवस्था की जाती है। इसे यूं ही रहने दें। ज्ञान न बघारें तो लोग अपनी रुचि के अनुसार कम सम कम पहन ओढ़ तो लेंगे।

फ्लिपकार्ट से की ऑनलाइन शॉपिंग, पार्सल खोला तो लैपटॉप की जगह निकली किताबें

श्रीकंचनपथ न्यूज

30 हजार रुपए कैश देकर ली थी डिलीवरी शिकायत पर पुलिस ने शुरू की जांच

कोरबा। कोरबा जिले के कोरकोमा गांव में फ्लिपकार्ट के ऑनलाइन पार्सल से लैपटॉप की जगह किताबें निकलीं, जिसके बाद युवक के होश उड़ गए। पीड़ित युवक का नाम विनय सोनी है। अभी त्योहारों के मद्देनजर ऑनलाइन सामानों में बंपर छूट मिल रही है। इसका लाभ उठाने के लिए विनय सोनी ने भी फ्लिपकार्ट से लैपटॉप ऑर्डर किया था, लेकिन उसके साथ ठगी हो गई। घटना बालको थाना क्षेत्र के रजगामार चौकी का है।

इधर ठगी का शिकार हो जाने के बाद पीड़ित युवक विनय सोनी ने रजगामार चौकी और फ्लिपकार्ट कंपनी में शिकायत की। इस मामले में ष्ठष्ठरू स्कूल रोड स्थित ई-कॉमर्स कोरियर सर्विस के डिलीवरी बॉय की भूमिका संदिग्ध नजर आ रही है। बालको थाना प्रभारी सुरेश कुमार जोगी ने कहा कि फ्लिपकार्ट के डिलीवरी बॉय और कंपनी के कर्मचारियों को तलब किया गया है। उनसे पूछताछ के बाद कार्रवाई की जाएगी।

ऑनलाइन शॉपिंग से संबंधित मामलों में डिलीवरी की जिम्मेदारी ईकॉम एक्सप्रेस ने ले रखी है। हजारों की संख्या में सामान यहां पहुंचते हैं और फिर डिलीवरी बॉय के जरिए उन्हें संबंधित पते पर भिजवाया जाता है। विनय सोनी ने फ्लिपकार्ट से लैपटॉप ऑर्डर किया था। सामान यहां आने पर उसे मैसेज मिला। डिलीवरी बॉय को उसने 30 हजार रुपए कैश दिए और बॉक्स लिया। इसके बाद डिलीवरी बॉय चला गया। जब उसने बॉक्स खोला, तो उसमें लैपटॉप के बदले कुछ किताबें रखी हुई थीं।

इसके बाद विनय ने डिलीवरी बॉय को कई बार फोन भी किया, तो उसने खुद के यहां-वहां होने की बात कही और इसके बाद फोन उठाना बंद कर दिया। पीड़ित ने कहा कि उसे पूरा विश्वास है कि फ्लिपकार्ट कंपनी ने सही सामान भेजा था, लेकिन स्थानीय स्तर पर इसमें हेराफेरी की गई है। सबसे बड़ी बात तो ये है कि ईकॉम एक्सप्रेस के संचालक डिलीवरी बॉय के बारे में जानकारी देने से साफ बच रहे हैं, जिससे उनकी भूमिका भी अब संदिग्ध नजर आने लगी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संपादकीय

कीव पर हमला

यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध का तेज होना पूरी दुनिया के लिए चिंताजनक और दुखद है। सूचना है कि रूस ने करीब 75 मिसाइल दागकर यूक्रेन को पछाड़ने की कोशिश की है। रूस ने सीधे राजधानी कीव को ही निशाना बनाया है। गत दिनों क्रीमिया को रूस से जोड़ने वाले पुल पर हुए विस्फोट के लिए रूस ने कीव को जिम्मेदार माना है और जिसका बदला उसने दनादन मिसाइल दागकर लिया है। कीव से आ रही तस्वीरें लोमहर्षक हैं। जगह-जगह ध्वस्त इमारतों और आगजनी से पूरा कीव शहर अस्त-व्यस्त हो गया है। कीव के अलावा भी यूक्रेन के अन्य शहरों पर मिसाइल बरसे हैं। लोगों से कह दिया गया है कि वे घर से बाहर न निकलें। आने वाले दिनों में रूसी हमला और खतरनाक होने की आशंका है। रूसी हमलों ने अगर यूक्रेन के बुनियादी ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया है, तो मकसद आसानी से समझा जा सकता है। यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि कीव पर रूस ने इससे पहले 26 जून को हमला किया था। क्रीमिया और रूस को जोड़ने वाले पुल पर अगर विस्फोट न हुआ होता, तो शायद रूसी मिसाइलें कीव तक न पहुंचतीं। इस हमले के बाद बहस भी तेज हो जाएगी कि आखिर यूक्रेन की ओर से युद्धक हमले क्यों किए जा रहे हैं? अगर मंशा युद्ध रोकने की है, तो यूक्रेन को ज्यादा संयम बरतना चाहिए, तभी दुनिया रूस को युद्ध रोकने की नसीहत दे पाएगी। रूस को युद्ध रोकने की नसीहत अनेक देश दे चुके हैं और भारतीय प्रधानमंत्री ने भी रूसी राष्ट्रपति को युद्ध रोकने की सलाह देते हुए कहा था कि यह समय युद्ध का नहीं है। गौर करने की बात है कि यूक्रेन की सेना या राष्ट्रपति ने रूसी पुल पर हुए विस्फोट की जिम्मेदारी नहीं ली है, इससे यह संकेत गया है कि यूक्रेन और रूस के बीच कोई तीसरा पक्ष भी है, जो युद्ध भड़काना चाहता है। ऐसे विश्व-विरोधी तत्वों से सावधान रहना चाहिए। रूस ने तो पुल पर हुए विस्फोट को आतंकवादी कृत्य करार दिया है और हमें अच्छी तरह पता है कि रूस आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता रखता है। पुल पर हुए विस्फोट का अगर यूक्रेन में जश्न मनाया गया था, तो यह गंभीर व मॉस्को को चिढ़ाने वाली बात है। हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि युद्ध के खिलाफ रूस के लोगों ने प्रदर्शन किए हैं और वहां बड़ी संख्या में लोग जेलों में बंद हैं। क्या यूक्रेन में भी लोगों ने युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन किए हैं? परस्पर मिलकर चलने की नसीहत जितनी रूस के लिए जायज है, उतनी ही यूक्रेन के लिए भी। पश्चिमी शक्तियों के बहकावे में आकर ही यूक्रेन आज लहूलुहान है, यह बात खुद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की बोल चुके हैं। जेलेंस्की अगर रूस में घुसकर हमला करने के पक्ष में नहीं हैं, तो उन्हें यह साफ करना चाहिए। यूक्रेन के लोगों की सुरक्षा की चिंता करना जेलेंस्की का पहला काम है। पश्चिम के देश या अमेरिका में बैठे रणनीतिकार केवल अपना हित देखते हुए सलाह दे सकते हैं। युद्ध समाप्त करने की अपील के बजाय अगर पश्चिमी देश लगातार रूस को आलोचना का निशाना बनाने के उपक्रम में जुटे रहेंगे, तो आशंका है, युद्ध किसी भी समय विकराल रूप ले लेगा। यूक्रेन को अपना बचाव करने के लिए हथियार व धन देना और रूस पर हमले के लिए हथियार व धन देने में बहुत अंतर है। रूस किस हद तक जा सकता है, इसका एहसास पहले यूक्रेन को होना चाहिए, क्योंकि प्रत्यक्ष रूप से हमले तो केवल वही झेल रहा है।

> “ क्रीमिया और रूस को जोड़ने वाले पुल पर अगर विस्फोट न हुआ होता, तो शायद रूसी मिसाइलें कीव तक न पहुंचतीं। इस हमले के बाद बहस भी तेज हो जाएगी कि आखिर यूक्रेन की ओर से युद्धक हमले क्यों किए जा रहे हैं? अगर मंशा युद्ध रोकने की है, तो यूक्रेन को ज्यादा संयम बरतना चाहिए, तभी दुनिया रूस को युद्ध रोकने की नसीहत दे पाएगी।

रिमोट से कैसे नहीं चलेंगे खड़गे!

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान प्रेस कांफ्रेंस की तो एक सवाल के जवाब में कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव लड़ रहे दोनों नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और शशि थरूर बड़े व कद्दावर नेता हैं और उनमें से जो जीतेगा उसे रिमोट कंट्रोल से नहीं चलाया जा सकेगा। यह बात शशि थरूर के मामले में सही हो सकती है कि वे जीतेंगे तो रिमोट कंट्रोल से नहीं चलेंगे। लेकिन वे जीतेंगे ही नहीं। क्योंकि मल्लिकार्जुन खड़गे अनधिकृत रूप से अधिकृत उम्मीदवार हैं। उनके पीछे नेहरू-गांधी परिवार का समर्थन है। इसलिए यह तय है कि खड़गे ही अध्यक्ष का चुनाव जीतेंगे और थरूर 10 फीसदी वोट भी हासिल नहीं कर पाएंगे।

अब सवाल है कि क्या खड़गे रिमोट कंट्रोल से संचालित नहीं होंगे? जिस दिन राहुल गांधी ने कहा कि खड़गे और थरूर को रिमोट कंट्रोल से नहीं चलाया जा सकता है उसी दिन खड़गे ने कहा कि वे इसलिए अध्यक्ष का चुनाव लड़ रहे हैं क्योंकि गांधी परिवार से कोई चुनाव नहीं लड़ रहा है। सोचें, जब वे लड़ने के लिए तैयार ही इसलिए हुए क्योंकि परिवार से कोई नहीं लड़ रहा है तो उनसे क्या उम्मीद की जा सकती है कि वे अपने हिसाब से फैसले करेंगे? खड़गे बड़े नेता हैं, उनका बड़ा अनुभव है और जमीनी पकड़ वाले नेता हैं इसके बावजूद वे पार्टी को वैसे ही चलाएंगे, जैसा राहुल गांधी चाहेंगे। लेकिन यह अच्छी बात है कि राहुल गांधी उनके लिए स्वतंत्र अध्यक्ष की पोजिशनिंग कर रहे हैं।

> “ राजनीति में जमीन से जुड़े उन जैसा नेता इस समय बहुत कम रह गए हैं। ऐसे में, मुलायम सिंह लोगों को और अधिक याद आएंगे। वह जन-जन से जुड़ाव रखने वाले सही मायने में जमीनी नेता थे। उन्हें सब 'नेताजी' ऐसे ही नहीं कहते थे, वह नेतृत्व के अद्भुत गुण रखने वाले नेता थे और सबको साथ लेकर चलने में विश्वास करते थे। इसीलिए हर कोई उनके नेतृत्व में कार्य करने के लिए भी तत्पर रहता था।

अपनत्व की डोर से बांधते थे मुलायम

कलराज मिश्र, राज्यपाल, राजस्थान

मुलायम सिंह यादव का बिछोह राजनीति के एक युग का अवसान है। वह बहुत नेकदिल सच्चे इंसान थे। मैं यह मानता हूं, वह संबंधों का मर्म समझते हुए रिश्तों को शिद्दत से निभाने वाली विरल शख्सियत थे। याद नहीं पहली भेंट उनसे कब हुई थी, परंतु राजनीति के आरंभिक दिनों से ही उनसे एक निकट का नाता हो गया था। बाद के दिनों में यह नाता और गहरा होता गया। प्यार और सम्मान के गहरे अर्थों में समाहित होता चला गया। राजनीतिक दल को ध्यान में रखें, तो हम दोनों भले ही सदा अलग-अलग रहे, परंतु जो अपनापन और प्यार, सम्मान उन्होंने दिया, उसे मैं कभी भुला नहीं सकता।

मुझे याद है, आपातकाल के दौरान उन्होंने भी बहुत कष्ट झेले थे और जेल में रहे थे। भारतीय जनता पार्टी बनने के पश्चात उत्तर प्रदेश में भाजपा और लोकदल का राष्ट्रीय लोकतांत्रिक मोर्चा बना था, इसके अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव थे और महामंत्री मैं था। हमने बहुत से स्तरों पर साथ-साथ काम किया। राजनीति में रहते हुए इस बात को मैंने निकट से अनुभव किया कि उनमें न केवल उत्तर प्रदेश की गहरी भौगोलिक व सामाजिक समझ थी, बल्कि उनकी राजनीतिक दृष्टि भी बहुत व्यापक थी। अपने कार्यकर्ताओं के प्रति उनके मन में गहरा लगाव भी मैंने शुरू से ही देखा, महसूस किया। शायद इसी गुण के चलते वह अपनी पार्टी को सत्ता तक पहुंचा पाए।

चुनावों के दौरान भी उनसे जब-तब संवाद होता रहता था और इस दौरान विमर्श से सदा नई राहें भी खुलती रहती थीं। राष्ट्रवाद से उनका गहरा लगाव भी मैंने निरंतर महसूस किया। अक्सर मैं मजाक में उनसे कह दिया करता कि आपको हमारी पार्टी में होना चाहिए था, तब वह हंसकर रह जाते थे। वह कुछ कहते नहीं थे, परंतु जानता हूं, बहुत से स्तरों पर उनकी दृष्टि राष्ट्र और समाज के सांस्कृतिक सरोकार से जुड़ी हुई थी।

राजनीति में जमीन से जुड़े उन जैसा नेता इस समय बहुत कम रह गए हैं। ऐसे में, मुलायम सिंह लोगों को और अधिक याद आएंगे। वह जन-जन से जुड़ाव रखने वाले सही मायने में जमीनी नेता थे। उन्हें सब 'नेताजी' ऐसे ही नहीं कहते थे, वह नेतृत्व के अद्भुत गुण रखने वाले नेता थे और सबको साथ लेकर चलने में विश्वास करते थे। इसीलिए हर कोई उनके नेतृत्व में कार्य करने के लिए भी तत्पर रहता था। याद है, उत्तर प्रदेश में जब मायावती मुख्यमंत्री थीं, तब मैं उस समय सार्वजनिक निर्माण विभाग का मंत्री हुआ करता था। इटावा में तब हमने सार्वजनिक निर्माण विभाग से भवन बनवाए थे। उन्हीं दिनों समाजवादी पार्टी का एक अखिल भारतीय सम्मेलन वहां होने वाला था। उन्होंने फोन करके सम्मेलन में आने वाले लोगों के

लिए वह भवन उपलब्ध कराने और दूसरी कुछ छोटी-मोटी व्यवस्थाएं करने के लिए आग्रह किया। उनकी छवि ऐसी थी कि उनका आग्रह न मानने का सवाल ही नहीं उठता था। मैं स्वयं वहां गया और त्वरित ढंग से अपने प्रमुख सचिव से कहकर सारी व्यवस्थाएं कराईं। मुझे याद है, बाद में मुलायम जब भी मिलते, तो इस प्रकरण का जिक्र जरूर छेड़ते थे। इस तरह की मदद कोई ऐसी बड़ी बात नहीं थी, लेकिन यह उनका व्यक्तित्व था कि वह भी किसी स्तर पर कोई सहयोग करता, तो उसको कभी भूलते नहीं थे।उत्तर प्रदेश में जब मैं सार्वजनिक निर्माण विभाग के मंत्री पद पर था, तब एक दफा सदन में बजट भाषण के दौरान समाजवादी पार्टी के एक विधायक ने मेरे बारे में कुछ ऐसे अनर्गल शब्द बोल दिए थे, जो सत्य से बहुत परे थे। मैंने भी अपनी प्रतिष्ठा के लिए तब त्यागपत्र दे दिया था। मुझे स्मरण है, मुलायम सिंह यादव ने तब मुझे फोन किया था और कहा था कि मुझे इस बात पर सीधे त्यागपत्र नहीं देना चाहिए था। तब अपनी पार्टी के विधायक को भी उन्होंने कड़े शब्दों में फटकार लगाई थी। उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा था कि कलराज जी के प्रति इस तरह की बातें करना राजनीतिक मर्यादा के खिलाफ है।

मुलायम सिंह दलगत राजनीति से बहुत ऊपर थे, संबंध निभाना जानते थे और जिससे भी निकटता होती थी, उसके लिए दलीय लीक से हटकर कुछ करना होता, तो वह उसमें चूकते नहीं थे। बहुत से ऐसे और भी प्रसंग हैं, जो आज याद आ रहे हैं और आगे भी याद आएंगे। कई ऐसे मामले भी हैं, जब मैंने राजनीतिक रूप से उन्हें कोई सलाह दी थी और उन्होंने ज्यादा सोचे बगैर ही मान लिया। ऐसे भी मौके आए, जब अपने स्वयं के दल के अंतर्गत भी कुछ बड़ा निर्णय करना होता था, तब भी वह विचार-विमर्श करते थे।

मेरा जन्मदिन भी वह कभी नहीं भूलते थे! मैं कहीं भी होता, वह मुझे फोन पर तलाश करते और जब तक स्वयं बधाई नहीं दे लेते, चैन नहीं लेते थे। सोचता हूं, तो महसूस होता है, अब कहां हैं ऐसे रिश्ते निभाने वाले और संबंधों की मर्यादा समझने वाले व्यक्तित्व! मैं इस बात को भी स्वीकार करता हूं कि वह जब मुख्यमंत्री थे, तब मैंने जो भी काम बताया, उन्होंने तत्काल किया। प्रतिकूल समय में भी मेरी राय, मेरी बातों को उन्होंने माना, आज ऐसे व्यवहार की कोई किसी से आशा भी नहीं कर सकता। गांवों के विकास, गरीबों के उत्थान में उनकी गहरी रुचि थी। वह बहुत बड़े नेता हो गए, लेकिन उन्होंने अपने गांव और निर्वाचन क्षेत्र को कभी नहीं छोड़ा। गांवों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ वहां के पारंपरिक जीवन से भी उनका निकट का नाता बना रहा। व्यक्तिगत रूप से भी मुलायम सिंह के संबंध लोगों से इतने गहरे बनते थे कि लोग किसी दूसरे दल से भले जुड़ जाते थे, लेकिन मुलायम सिंह से उनका नाता नहीं टूटता था।

उनके साथ की कितनी-कितनी यादें हैं, बातें रह-रहकर मन में इस समय कौंध रही हैं। मैं यह मानता हूं कि जो आत्मीयता और अपनत्व उनके साथ रहा, वह मेरे जीवन की अमूल्य थाती है। उनका बिछोह भारतीय राजनीति में कभी न भरने वाला खालीपन है। उनका अनंत में विलीन होना, सिद्धांत और रिश्तों की मर्यादा निभाते एक भरपूर प्यार-नेह निभाने वाले व्यक्तित्व का सदा के लिए हमसे दूर चले जाना है। मुलायम सिंह यादव का न होना, व्यक्तिगत मेरे लिए ऐसी रिक्तता है, जो कभी नहीं भरी जा सकेगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

खूब आए उतार-चढ़ाव, पर हमेशा अडिग रहे नेताजी

शरत प्रधान, वरिष्ठ पत्रकार

जब भारत आजाद हुआ, तब मुलायम सिंह यादव महज आठ वर्ष के थे। उनके परिवार ने उनका नाम मुलायम रखा शायद इस उम्मीद में कि बेटा बड़ा होकर सौम्य व सुशील इंसान और अधिक से अधिक एक स्कूल शिक्षक बनेगा। शिक्षक तो वह जीविकोपार्जन के लिए बन गए, लेकिन मुलायम ने बाल्यकाल से ही बड़े सपने बुनने शुरू कर दिए थे। हां, सौम्य और मुलायम बनने के बजाय उन्होंने संघर्ष की कठिन राह चुनी, जिन पर चलकर वह असंभव सी ऊंचाई पर पहुंचे।

विपरीत परिस्थितियों से संघर्ष उनके व्यक्तित्व का प्रमुख गुण था। संभवत: कुश्ती के अखाड़े में अपने शुरुआती जीवन में ही पहलवान के तौर पर उन्होंने यह हुनर सीख लिया था। और, हर बार जब यह लगा कि मुलायम सिंह यादव पिछड़ गए हैं या दब गए हैं, तो वह सभी को आश्चर्य में डालते हुए नए उत्साह व जोश के साथ उठ खड़े हुए। चाहे आपातकाल में लंबे समय तक उनकी जेल यात्रा रही हो या 1989 में विश्वनाथ प्रताप सिंह द्वारा चौधरी अजित सिंह को मुख्यमंत्री बनाने का प्रयास करना, वह कभी भी विपरीत परिस्थितियों में झुके नहीं। उनमें एक अद्भुत खासियत यह थी कि उन्होंने खुद को अपनी जड़ों से कभी अलग नहीं किया। वह उससे हमेशा ऊर्जा लेते रहे। जेपी आंदोलन से राजनीतिक कद बनाने वाले मुलायम सिंह यादव ने डॉ. लोहिया को आदर्श माना।

वह अपनी पसंद और नापसंद को लेकर पूरी तरह खुले हुए थे। जब अमर सिंह को पार्टी में महत्व देने के कारण समाजवाद से पीछे हटने के आरोप उछले, तब भी वह अपने फैसले पर कायम रहे। और, जब यह लगा कि अमर सिंह पार्टी और परिवार के लिए बोझ बन रहे हैं, तो उनको किनारे करने में उन्होंने क्षणिक भी वक्त नहीं लिया। तमाम चर्चाओं और तर्कों-तुक्कों के बीच उन्होंने अपने राजनीतिक उत्तराधिकारी के रूप में भाई

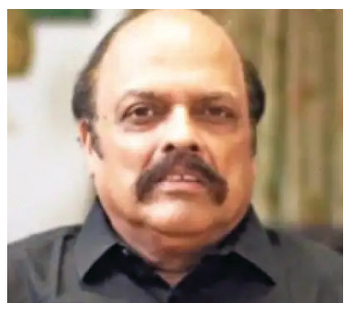

शिवपाल यादव के बजाय अखिलेश यादव को महत्व दिया और ऐसा उन्होंने तब किया, जब वह खुलेआम शिवपाल को परिश्रमी और जमीनी नेता करार देते रहे थे। हालांकि, उन्होंने अपने बेटे के उन फैसलों की खुलेआम निंदा भी की, जिनको वह खुद पसंद नहीं करते थे। जहां सियासी विरासत उन्होंने अखिलेश को सुपुर्द की, वहीं आर्थिक विरासत बेटे प्रतीक के लिए रखी, जो उनकी दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के बेटे थे। साधना का अभी कुछ महीने पहले ही निधन हुआ है।

मुलायम हमेशा नए रिश्ते बनाने को तैयार रहते। उन्होंने अपनी संगठन क्षमता का परिचय देते हुए जरूरत के मुताबिक तमाम सियासी दलों से गठबंधन किया। इसका उन्हें लाभ भी मिला। वह सिर्फ यादवों की पार्टी के दायरे से बाहर निकलते हुए खुद को न केवल ओबीसी में कुर्मियों का नेता बनाया, बल्कि अन्य पिछड़ी जातियों में भी अच्छी पैठ कायम की। 1990 में बाबरी मस्जिद के लिए प्रबल समर्थन देने के कारण मुसलमानों में भी उनकी स्वीकार्यता बढ़ी, और वह देश की राजनीति में आगे की पंक्ति में जा खड़े हुए। उन्होंने बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक और दलितों के आदर्श कांशीराम से भी हाथ मिलाया।

यह दुखद ही कहा जाएगा कि उनकी पार्टी के कुछ नेताओं के अविवेकपूर्ण कार्य के चलते लखनऊ का गेस्टहाउस कांड हुआ, पर ओबीसी और मुस्लिमों में जबर्दस्त समर्थन ने मुलायम के भविष्य को खत्म नहीं होने दिया। इसके चलते ही वह उत्तर प्रदेश में सियासी रण को चतुष्कोणीय मुकाबले के बजाय सपा-बसपा की लड़ाई बनाने में कामयाब रहे, और सबसे ज्यादा आबादी वाला यह प्रदेश दोनों सियासी दलों में एक दशक तक बारी-बारी से सत्ता हस्तांतरण का गवाह बना। मुलायम सिंह के परिपक्व सियासी फैसलों ने अक्सर उनके विरोधियों को नाराज किया, मगर कोई भी उनको नजरंदाज नहीं कर सका। यही वजह रही कि अपनी मृत्यु से पहले तक वह राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में रहे। लिहाजा आश्चर्य नहीं कि आज उनके धुर विरोधी और विभिन्न दलों के राजेनता भी उन्हें भावुक श्रद्धांजलि दे रहे हैं। यह सही है कि जमीनी संघर्ष और फर्श से अर्श तक का सफर तय करने की खासियत ने उन्हें भारतीय राजनीति में एक अनोखा स्थान दिया, पर वह कहीं ज्यादा बड़ी लकीर खींचकर गए हैं, क्योंकि वह हर वक्त हरेक परिस्थिति के लिए तैयार रहने वाली शख्सियत थे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

विश्वनाथ के बाद महाकाल

ईश्वर देश और काल के परे हैं, परंतु कुछ अवसरों या कुछ स्थानों पर हमें उनके सान्निध्य की अनुभूति सहज ही होने लगती है। वैसे तो धरती पर वायु हर जगह समान रूप से व्याप्त है, किंतु जब हम पंखे के निकट होते हैं, तब वह अधिक अनुभव में आने लगती है। ऐसे ही, 'नर्मदा के कंकर सबई हैं शंकर' यानी नर्मदा क्षेत्र का एक-एक कंकड़ महादेव शिव के रूप में प्रतिष्ठित है, और पावन पौराणिक नगरी उज्जैन का हर कोना महादेव शिव की उपस्थिति का एहसास कराता है।

उज्जैन का महाकालेश्वर मंदिर सदियों से सनातन संस्कृति एवं आध्यात्मिकता का केंद्र रहा है। केदारनाथ, काशी विश्वनाथ के उपरांत महत्वपूर्ण ज्योतिर्लिंगों में महाकालेश्वर को माना जाता है। उज्जैन नगरी न केवल ज्ञान और कर्म का प्रसिद्ध क्षेत्र रही है, अपितु निरंतर भक्ति का भी केंद्र बनी रही है। भक्ति, वैराग्य और कर्म की मीमांसा के पूजनीय संदेश वाहक भगवान कृष्ण की शिक्षास्थली यही अवंतिका नगरी रही है। संदीपन ऋषि के साथ-साथ यह नगरी अनेक ऋषि, मुनियों व संतों की तपस्थली भी रही है। स्वयं हि तीर्थानि पुनन्ति संत: यानी संत जहां होते हैं, वह स्थान स्वत: तीर्थ में परिवर्तित हो जाता है। तीर्थों को बनाने और उन्हें पवित्र करने वाले संतों द्वारा प्रतिष्ठित ज्योतिर्लिंग क्षेत्रों में जन-साधारण को भगवान शिव का आनंदमय और कल्याणकारी सान्निध्य हर क्षण अहैतुकी मिल जाता है। ऐसे स्थलों में चेतना अनायास ही ऊपर उठने लगती है।

महाकाल की नगरी उज्जैन का महत्व इसलिए भी बहुत ज्यादा है, क्योंकि यहां कुंभ मेले का आयोजन होता है और तब इस नगर पर श्रद्धालुओं का दबाव बहुत बढ़ जाता है। तीर्थों में भीड़ न लगे और भीड़ लग जाए, तो उसके लिए यथोचित स्थान व सुविधाएं बनाना आज अति आवश्यक हो गया है। अत्यधिक भीड़ हो, तो भक्ति में भी बाधाएं उत्पन्न होती हैं। अत: तीर्थों का विस्तार आवश्यक है।

अब महाकालेश्वर के प्रांगण-विस्तार व सौंदर्यीकरण से मंदिर की भव्यता में और भी वृद्धि होगी। देश के हर बच्चे ने उज्जैन के बारे में पढ़ रखा है। बड़ी संख्या में भगवान शिव के भक्त यहां आने का स्वप्न देखते हैं। ऐसे में, यह बहुत खुशी की बात है कि अब मध्य प्रदेश सरकार के प्रयत्न से हमारे भव्य इतिहास का एक सुनहरा अध्याय पुन: जागृत हो रहा है।

अयोध्या, मथुरा, माया, काशी, कांची, अवंतिका - भारत की सप्तपुरियों में से काशी के बाद अब अवंतिका का समूचा वैभव-गौरव लौट आने का संकेत मिल रहा है, तो बहुत अच्छी अनुभूति हो रही है। हमारी आगामी पीढ़ियों के सामने भारतीय संस्कृति, धार्मिकता की और भी भव्य, दिव्य, अद्भुत विरासत होगी। हम आशा करते हैं कि महाकाल मंदिर से जुड़े कर्मकांड के साथ-साथ उज्जयिनी परंपरागत वैदिक संस्कृति के पठन-पाठन के मुख्य केंद्र के रूप में भी उभरेगी। तीर्थों की दिव्य ऊर्जा को पूजा-पाठ, जप-तप और ध्यान द्वारा जगाए रखना हम सबका दायित्व है। इन तीर्थस्थलों को अविलंब आकर्षण के केंद्र के रूप में विकसित करने की आवश्यकता है, जहां लोगों को आध्यात्मिक संतुष्टि के साथ-साथ जीवन का ज्ञान भी प्राप्त हो।

शिव-आराधना ने देश भर में पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक, सबको एक सूत्र में बांधा हुआ है। 'महाकाल लोक' के निर्माण से लोगों को समयातीत सत्य का अनुभव करने का एक उत्कृष्ट अवसर और वातावरण प्राप्त हुआ है। यह बड़े सौभाग्य की बात है कि अब सरकार विरासत के संरक्षण और पुनर्जीवन में अग्रणी भूमिका निभा रही है। दीर्घकाल के उपरांत अब देश के धार्मिक स्थलों के संरक्षण और लंबित जीर्णोद्धार का कार्य प्रारंभ हुआ है। काशी और उज्जैन जैसे पावन स्थलों पर कॉरीडोर का निर्माण हमारी आध्यात्मिक-सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करता है। जिस प्रकार आज राज आश्रय से योग और ध्यान मुख्यधारा का अभिन्न अंग बन चुके हैं, उसी प्रकार सांस्कृतिक और आध्यात्मिक उत्थान के स्तंभों पर भारत के स्वर्णिम युग की पुनर्स्थापना करने का समय आ गया है।

भारत राष्ट्र में देव-संस्कृति के वैभव को जीवंत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए प्रयास अद्वितीय हैं। इस प्रकार के राजाश्रय से हमारी हजारों वर्षों की समृद्ध और मंगलकारी विरासत के वर्चस्व की पुनर्प्रतिष्ठा का शुभारंभ हो रहा है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9827806026, 7869620239

ओम क्रियेशन कार्ड्स
• फैंसी एनवेलोप्स • वेडिंग कार्ड • कैलेंडर
आकर्षक, मनमोहक, फैंसी
शादी कार्ड
रायपुर से कम दाम में
शॉप नं. 9301816830, मो.-9301182010
पचरी पारा, कुआ चौक, बस स्टैण्ड रोड, दुर्ग
ओम यूनिफॉर्म
स्कूल यूनिफॉर्म एंड जनरल ऑर्डर सप्लायर्स
रवि अग्रवाल-9302834646
इंदिरा मार्केट, फरिश्ता कॉम्प्लेक्स के पास, दुर्ग

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

महक सेनीटेशन

सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

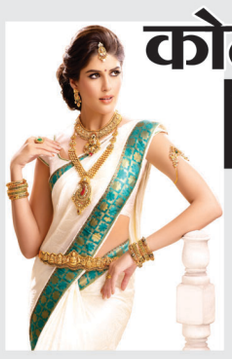
कोठारी ज्वेलर्स
सोने-चांदी के आभूषणों के विक्रेता एवं निर्माता
जवाहर चौक, दुर्ग 491001
0788-2249990
94252-42323 नितिन
98261-29990 पवन
93029- 29990

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

कवर्धा की वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी, खुलेगा मेडिकल कॉलेज

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कबीरधाम जिले के विकास के लिए लगाई सौगातों की झड़ी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल अपने प्रदेशव्यापी भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के तहत आज कबीरधाम जिले के कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के प्रवास पर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने इस दौरान कवर्धा के सुदूर वनांचल ग्राम झलमला और नगर पंचायत सहसपुर लोहारा में आमजनों से सीधा संवाद किया।

मुख्यमंत्री ने भेंट-मुलाकात में लोगों से सीधा संवाद कर राज्य सरकार की प्राथमिकता में शामिल राजीव गांधी किसान न्याय योजना, ऋण माफी योजना, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल, गोधन न्याय योजना, राजीव गांधी भूमिहीन ग्रामीण कृषि मजदूर न्याय योजना, मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान, मुख्यमंत्री हाट-बाजार योजना सहित अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी और फीडबैक लिया। भेंट-मुलाकात के लिए झलमला पहुंचे मुख्यमंत्री ने पितराही के शिव मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। झलमला में भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में पहुंचने पर आदिवासी नर्तक दल ने पारंपरिक लोक नृत्य के साथ मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया। छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा-अर्चना कर मुख्यमंत्री बघेल ने भेंट-मुलाकात की शुरुआत की। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री श्री बघेल का खुमरी पहनाकर स्वागत किया। झलमला और सहसपुर लोहारा में आयोजित कार्यक्रमों में स्वास्थ्य मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री टी.एस. सिंहदेव, वन मंत्री एवं कवर्धा के विधायक श्री मोहम्मद अकबर और पंडरिया की विधायक श्रीमती ममता चंद्राकर भी मौजूद थीं।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने सहसपुर लोहारा में आयोजित कार्यक्रम में जिले के विकास के लिए कई सौगातें दीं। उन्होंने जिले में मेडिकल कॉलेज खोलने के साथ ही झलमला में नया ग्राम पंचायत भवन, ग्राम झलमला के हाईस्कूल और कन्या आश्रम में बाउंड्री-वॉल निर्माण, ग्राम झलमला में मंदिर से लेकर आंगनबाड़ी भवन तक और टॉवर से लेकर हाईस्कूल भवन तक सी.सी. रोड निर्माण, रेंगाखार, चिल्फी, पोंडी और नगर पंचायत पिपरिया में स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल, ग्राम बोइरकछरा से गंडईखुर्द तक मार्ग निर्माण, कवर्धा पोड़ी मुख्य मार्ग से ग्राम परसहा गाड़ाघाट तक सड़क निर्माण, कुसुमघटा से बोइरकछरा मार्ग में फोक नदी पर उच्चस्तरीय पुल, ग्राम सहसपुर लोहारा ब्लॉक सहसपुर लोहारा पथरा पुल, मरपा पुल निर्माण, वार्ड नंबर 09 में नया तालाब का सौंदर्यीकरण, वार्ड 2-3 में मुक्तिधाम से बासीनझोरी सड़क एवं पुलिया निर्माण, वार्ड 11 में मुक्तिधाम के उन्नयन की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने उड़ियाखुर्द से कौहारी मार्ग पुल-पुलिया सहित ग्राम खोलवा से ग्राम कुम्हारी सिंघनपुरी तक सड़क निर्माण, ग्राम घुघरी से ग्राम मरपा तक सड़क निर्माण तथा 240 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा के लिए घटोला जलाशय के निर्माण की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना से लोगों को मिल रही है बेहतर स्वास्थ्य सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद । मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के लोगों के प्रति संवेदनशील सोच से आज प्रदेश के हर वर्ग के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही है। प्रदेश में लोगों को घर के नजदीक ही निःशुल्क और उत्तम स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के लिए छत्तीसगढ़ शासन लगातार प्रयासरत है। शहरी क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों के लिए राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना की शुरूआत की गई है। जिसके माध्यम से लोगों को घर के नज़दीक ही बेहतर और निःशुल्क इलाज व लैब टेस्ट की सुविधा मिल रही है। मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत गरियाबंद जिले में 143 स्थानों में कैम्प लगाकर अब तक 10 हजार 690 लोगों का उपचार कर 9 हजार 610 मरीज़ों को निःशुल्क दवाई वितरण किया गया है।

जिसमें जिले के सभी 04 नगरीय निकायों में 2 हजार 958 लोगों का निःशुल्क लैब टेस्ट किया गया है। जिसमें नगरपालिका परिषद गरियाबंद में 39 स्थानों में कैम्प लगाकर 2 हजार 687 मरीजों का उपचार कर 2 हजार 479 मरीजों को निःशुल्क दवाई वितरण किया गया व 757 मरीजों का स्वास्थ्य जांच किया गया है। इसी प्रकार नगर पंचायत राजिम में 37 स्थानों पर कैम्प लगाकर 3 हजार 176 मरीजों का उपचार कर 2 हजार 951 मरीजों को निःशुल्क दवाई वितरण किया गया व 788 मरीजों का स्वास्थ्य जांच किया गया। नगर पंचायत फिंगेश्वर में 36 स्थानों पर कैम्प लगाकर 2 हजार 908 मरीजों का उपचार कर 2 हजार 655 मरीजों को निःशुल्क दवाई वितरण व 804 मरीजों का स्वास्थ्य जांच किया गया। नगर पंचायत छुरा में 31 स्थानों पर कैम्प लगाकर 1 हजार 919 मरीजों का उपचार कर 1525 मरीजों को निःशुल्क दवाई वितरण तथा 609 मरीजों का स्वास्थ्य जांच किया गया है।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को घर के नज़दीक ही उत्तम स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना 01 नवंबर 2020 से शुरू की गई थी। जिसके पहले चरण में सभी 14 नगर निगमों में 60 मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) एम्बुलेंसों के जरिए डॉक्टर अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना का विस्तार नगर निगमों के बाद अब नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों तक किया गया है। नागरिकों को मोबाइल मेडिकल यूनिट के द्वारा कैम्प के माध्यम से निःशुल्क परामर्श, उपचार, दवाइयां और लैब टेस्ट की सुविधा प्रदान की जा रही है।

खास खबर

डाक विभाग ने किया सुकन्या समृद्धि महोत्सव का आयोजन

रायपुर। भारतीय डाक विभाग द्वारा आजादी के 75 वें अमृत महोत्सव के अवसर पर सुकन्या समृद्धि महोत्सव का आयोजन कर अधिक से अधिक बालिकाओं के खाता खोलने के लिए प्रचार प्रसार 15 सितंबर से किया जा रहा है। आज रायपुर डाक संभाग द्वारा डॉ अंबेडकर सांस्कृतिक भवन गुढ़ियारी में आयोजित कार्यक्रम में जिले के कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने कहा कि 10 वर्ष आयु तक कि कोई भी बालिका खाता खोलने से ना छूटे। सुकन्या समृद्धि योजना का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए। उन्होंने कहा की खाता खोलकर बालिकाओं को भविष्य में होने वाली आर्थिक समस्याओं से बचाया जा सकता है। डाक विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 15 सितंबर से लगातार शिविर का आयोजन कर व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। शिविरों के माध्यम से अब तक 3 हजार से अधिक खाता खोले जा चुके हैं। इस योजना की शुरुआत वर्ष 2015 में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत बालिकाओं के भविष्य को सुरक्षित रखने हेतु निवेश बचत के लिए की गई है। इस योजना के तहत एक वर्ष में अधिकतम 1 लाख 50 हजार तक जमा किया जा सकता है। डाक विभाग के अधिकारियों ने योजना के लाभ एवं महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर नवीन खाताधारक बालिकायों को उनकी माताओं के साथ पासबुक भी प्रदान किया गया साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले डाक कर्मियों को पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण, महिला एवम बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, डाक विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने सकरी नदी पर 9 करोड़ 10 लाख की लागत से निर्मित उच्च स्तरीय पुल का किया लोकार्पण

सकरी नदी पर निर्मित उच्च स्तरीय पुल, जिले में विकास की नई इबारत लिखेगा : भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कबीरधाम जिले के भेंट-मुलाकात प्रवास के दौरान आज कवर्धा शहर के राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 के सकरी नदी पर 9 करोड़ 10 लाख की लागत से निर्मित उच्च स्तरीय पुल का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि यह पुल इस जिले में विकास की नई इबारत लिखेगा और संपर्क क्रांति लाएगा। सकरी नदी पर निर्मित यह पुल शहर का सबसे ऊंचा पुल है।

इसके बन जाने के बाद मध्यप्रदेश के जबलपुर, मंडला, रायपुर, मार्ग तथा राज्य के निकटतम जिला मुंगेली, बेमेतरा, बिलासपुर मुख्यालय के लिए बारहमासी संपर्क बना रहेगा। नव निर्मित उच्च स्तरीय पुल के निर्माण होने से बारिश के मौसम में अब मध्यप्रदेश सहित निकटतम जिला मुंगेली, बेमेतरा से संपर्क बना रहेगा। इससे बारह महीने आवागमन की सुविधा मिलेगी। नवीन पुल निर्माण से खुश शहर के लोगों ने पुरानी मांग पूरी होने पर मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

गौरतलब है कि ब्रिटिशकाल में निर्मित लगभग 100 वर्ष पुरानी सकरी नदी का पुल काफी जर्जर हो गया था, जिसमें बरसात के दिनों में बाढ़ आ जाने से आवागमन का संपर्क टूट जाता था। इस नदी में उच्च स्तरीय पुल बनाने की मांग काफी लंबे समय से की जा रही थी। वन मंत्री व कवर्धा विधायक श्री मोहम्मद अकबर ने जन आकांक्षाओं और कबीरधाम जिले के समुचित विकास को ध्यान में रखते हुए सकरी नदी में उच्च स्तरीय पुल निर्माण की स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री से अनुरोध भी किया था। कैबिनेट मंत्री श्री अकबर के प्रयासों से राज्य शासन द्वारा उच्च स्तरीय पुल निर्माण के लिए 9 करोड़ 10 लाख रूपए की स्वीकृति मिली। श्री अकबर ने उच्च स्तरीय पुल निर्माण के लिए भूमिपूजन भी किया और पुल निर्माण को निर्धारित समय में पूरा करने के लिए स्वयं मॉनिटरिंग भी करते रहे, जिसके परिणाम स्वरूप महज 9 माह में उच्च स्तरीय पुल बनकर तैयार हो गया। मध्यप्रदेश और रायपुर-मुंगेली-बिलासपुर को जोड़ने वाली उच्च स्तरीय पुल महज 9 महीने में बनकर हुआ है।रायपुर-कवर्धा-जबलपुर राष्ट्रीय राज्यमार्ग क्रमांक 30 के सकरी नदी पर पुलमय पहुँचमार्ग का निर्माण कार्य किया गया है।

पुल की लंबाई 90 मीटर और चौड़ाई 16 मीटर है। कवर्धा शहर के राष्ट्रीय राज्यमार्ग क्रमांक 30 के सकरी नदी पर पूर्व में निर्मित ब्रिटिश कालीन लगभग 100 वर्ष पुराना था जो प्रत्येक वर्ष वर्षा ऋतु में डूब जाता था, जिस वजह से आवागमन अवरूद्ध हो जाता था और शहरवासियों एवं राष्ट्रीय राजमार्ग के यातायात में परेशानियों को देखते हुए उच्चस्तरीय नए पुल निर्माण के लिए प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। पुल का निर्माण कार्य 27 जनवरी 2020 को प्रारंभ हुआ और केवल 9 महीने में ही इसे पूरा कर लिया गया। इस पुल के निर्माण में प्रमुख अभियंता से लेकर उपअभियंता तक अनेकों इंजीनियरों की भागीदारी तथा कार्यस्थल पर 15-20 स्कील्ड लेबर एवं 40-50 अनस्किलड लेबर के भागीदारी से यह नवीन पुल बनकर आम जनता की सुविधा के लिए तैयार हुआ है। अब लोगों को आवागमन में सहूलियत होगी।

कबीरधाम जिले के नागरिकों ने पुल की सौगात के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया है। पुल के लोकार्पण अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री टी.एस. सिंहदेव, वन मंत्री मोहम्मद अकबर विधायक पंडरिया श्रीमती ममता चन्द्राकर सहित नीलकण्ठ चंद्रवंशी, छ ग राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) के सदस्य कन्हैयालाल अग्रवाल संभागायुक्त दुर्ग महादेव कावरे , कलेक्टर जनमेजय महोबे, नगरपालिका अध्यक्ष ऋषि कुमार शर्मा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि होरी साहू, कृषि उपज मंडी अध्यक्ष नीलकंठ साहू, उपाध्यक्ष चोवा राम साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

निःशुल्क नियमित योगाभ्यास केंद्र का संचालन अब दुर्ग में भी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने किया शुभारंभछत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने किया शुभारंभछत्तीसगढ़ योग आयोग द्वारा नागरिकों को शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रखने तथा उनके दिनचर्या में योग को शामिल करने के उद्देश्य से लगातार निःशुल्क योगाभ्यास केन्द्र प्रारंभ किये जा रहे हैं। योग आयोग की छत्तीसगढ़ के हर जिले में योगाभ्यास केन्द्र शुरू करने की योजना है।

इसी क्रम में आज छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष श्री ज्ञानेश शर्मा के मुख्य आतिथ्य में दुर्ग जिले के वार्ड क्र. 20, कुशाभाऊ ठाकरे भवन आदित्य नगर, दुर्ग में जिले के दूसरे निःशुल्क नियमित योगाभ्यास केंद्र का शुभारंभ किया गया। आयोग द्वारा भिलाई में योगाभ्यास केन्द्र का संचालन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष श्री ज्ञानेश शर्मा ने किया शुभारंभउल्लेखनीय है कि राजधानी रायपुर में योग आयोग द्वारा नगर निगम के सहयोग से 21 निःशुल्क योगाभ्यास केन्द्र शुरू किए जा चुके हैं। योगाभ्यास केन्द्र के शुभारंभ अवसर पर ज्ञानेश शर्मा ने योग के प्रति जागरूकता लाने और लोगों से दिनचर्या में योग को शामिल करने का निवेदन किया। इस अवसर पर विशिष्ठ अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ योग आयोग के सचिव श्री एम. एल. पाण्डेय, श्रीमती नीलू सिंह अध्यक्ष केंद्रीय जेल संदर्शक, योग साधकगण सहित वार्ड के गणमान्य नागरिक गण उपस्थित रहे।

निःशुल्क नियमित योगाभ्यास का संचालन योग प्रशिक्षक श्रीमती दिलीमा मजून्दर द्वारा प्रतिदिन सुबह 5.30 से 7 बजे तक कुशाभाऊ ठाकरे भवन आदित्य नगर दुर्ग में किया जाएगा।

छह माह के बच्चे को स्तनपान के साथ पूरक आहार जरूर दें

शिशु के अच्छे शारीरिक व मानसिक विकास तथा संक्रमण से बचाव के लिए पौष्टिक आहार जरूरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शिशु के अच्छे शारीरिक और मानसिक विकास तथा संक्रमण से बचाव के लिए पौष्टिक आहार जरूरी है। छह माह के बच्चे को स्तनपान के साथ पूरक आहार अवश्य देना चाहिए। शिशुओं के स्वास्थ्य और पोषण की बेहतर देखभाल के लिए प्रदेश में 13 सितम्बर से 14 अक्टूबर तक शिशु संरक्षण माह मनाया जा रहा है।

इस दौरान नौ माह से पांच वर्ष तक के बच्चों को विटामिन 'ए' की खुराक दी जा रही है। शिशु संरक्षण माह में शिशु स्वास्थ्य के संवर्धन से संबंधित राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की गतिविधियों के संचालन और सेवाओं की प्रदायगी का सुदृढ़ीकरण भी किया जा रहा है। गर्भावस्था और बच्चे के जन्म के बाद के दो साल पोषण की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। इस दौरान पोषण का खास ख्याल रखना अति आवश्यक है। शिशु के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए शुरूआती एक हजार दिन यानि गर्भकाल के 270 दिन और बच्चे के जन्म के बाद दो साल (730 दिन) तक का समय बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस दौरान अगर बच्चे को पर्याप्त पोषण न मिले तो उसका पूरा जीवन चक्र प्रभावित हो सकता है। पर्याप्त पोषण से बच्चे में संक्रमण, विकलांगता व अन्य बीमारियों की संभावना कम होती है। मां और बच्चे को पर्याप्त पोषण उपलब्ध होने से बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। साथ ही इससे बच्चे के स्वस्थ जीवन की नींव भी पड़ती है। जब शिशु छह माह अर्थात 180 दिन का हो जाता है तब स्तनपान शिशु की पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं होता। इस समय बच्चा तेजी से बढ़ता है और उसे अतिरिक्त पोषण की आवश्यकता होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (ड्ब।ह्) के अनुसार नवजात शिशु को स्तनपान के साथ-साथ छह माह की आयु पूरी होने के बाद पूरक आहार देना शुरू करना चाहिए, ताकि उसको पर्याप्त पोषण मिल सके। पूरक आहार को छह माह के बाद ही शुरू करना चाहिए क्योंकि यदि पहले शुरू करेंगे तो यह मां के दूध का स्थान ले लेगा जो कि पौष्टिक होता है और बच्चे के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद है। बच्चे को देर से पूरक आहार देने से उसका विकास धीमा हो जाता है या रूक जाता है। इससे बच्चे में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी होने की संभावना बढ़ जाती है और वह कुपोषित हो सकता है। स्वास्थ्य विभाग में शिशु स्वास्थ्य के उप संचालक एवं राज्य टीकाकरण अधिकारी डॉ. वी.आर. भगत ने बताया कि जन्म के छह माह तक मां का दूध ही बच्चे के लिए सम्पूर्ण आहार माना जाता है। मां का दूध न केवल पचने में आसान होता है, बल्कि इससे नवजात की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होती है। लेकिन छह माह के बाद सिर्फ स्तनपान से बच्चे के आवश्यक पोषण की पूर्ति नहीं हो पाती है। इसके बाद बच्चे के भोजन में अर्द्धठोस व पौष्टिक आहार को शामिल करना चाहिए। स्तनपान के साथ-साथ छह माह की उम्र पर बच्चे को मसला हुआ अर्द्धठोस आहार दो-तीन बड़े चम्मच दिन में दो-तीन बार दिया जाना चाहिए। सात-आठ माह में स्तनपान के साथ ही अर्द्धठोस आहार की मात्रा 250 मिली की कटोरी का दो-तिहाई भाग दिन में तीन बार देना चाहिए। नौ से 11 माह के शिशु को अर्द्धठोस आहार की मात्रा 250 मिली की कटोरी का तीन-चौथाई दिन में तीन बार एवं एक-दो बार नाश्ता भी देना चाहिए। 12 से 24 माह के बच्चों को जरूरत के हिसाब से अर्द्धठोस आहार एवं घर में बनने वाला खाना 250 मिली की पूरी कटोरी दिन में तीन बार, दो बार नाश्ता एवं स्तनपान कराया जाना चाहिए। साथ ही भोजन में चतुरंगी आहार (लाल, सफेद, हरा व पीला) जैसे गाढ़ी दाल, अनाज, हरी पत्तेदार सब्जियां, स्थानीय मौसमी फल तथा दूध व दूध से बने उत्पादों को बच्चों को खिलाना चाहिए। इनमें भोजन में पाए जाने वाले आवश्यक तत्व कार्बोहाइड्रेट, वसा, प्रोटीन, विटामिन, खनिज पदार्थ, रेशा और पानी जरूर होना चाहिए।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

न्यूज वेबसाइटों को विज्ञापन हेतु इम्पैनलमेंट करने आवेदन की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य की न्यूज वेबसाइट एवं पोर्टल को आगामी एक वर्ष के लिए इम्पैनलमेंट करने आनलाईन आवेदन 15 अक्टूबर 2022 तक लिये जा रहे हैं। इंम्पेनलमेंट के लिए निर्धारित प्रारूप में ऑनलाईन आवेदन जमा किये जा सकते हैं। आवेदन प्रारूप और इस संबंध में नियम शर्ते जनसम्पर्क विभाग की वेबसाईट jansam-park.cg.gov.in पर उपलब्ध है। डिजिटल माध्यम की उपयोगिता एवं आवश्यकता के परिप्रेक्ष्य में न्यूज वेबसाइट/वेबपोर्टल के लिए प्रदर्शन विज्ञापन आवश्यता/उपयोगिता/अवसर और बजट उपलब्धता के आधार पर स्वीकृत किये जाते हैं। नियमों में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी किसी न्यूज वेबसाइट को शासकीय विज्ञापन प्राप्त करने का कोई अधिकार नहीं होगा।

छत्तीसगढ़ राज्य के न्यूज वेबसाइटों का इम्पैनलमेंट 01 वर्ष की अवधि के लिए होगा। इम्पैनल्ड हेतु विगत 06 माह के दौरान न्यूज वेबसाईट की औसत यूनिक यूजर संख्या 50 हजार होनी चाहिए। इस दौरान एवरेज सेशन डयूरेशन न्यूनतम 30 सेकेण्ड होना चाहिए। प्रत्येक वेबसाइट/पोर्टल के अपने होम पेज पर वेबसाइट/पोर्टल के स्वामी, संचालक, संपादक का नाम मोबाईल नंबर, ई मेल, संपादकीय कार्यालय का पता प्रदर्शित होना चाहिए। उन्हें प्रतिदिन अपनी वेबसाइट्स/पोर्टल को अपडेट भी करना होगा। न्यूज वेबसाइट कम से कम एक वर्ष से ऑनलाइन हो। इस अवधि के दौरान वेबसाइट का नाम और इंटरनेट का पता नहीं बदला गया हो। राज्य की गतिविधियों को प्राथमिकता से अपलोड करने वाले वेबसाइट/वेबपोर्टल को विज्ञापन देने में प्राथमिकता दी जायेगी। इसके साथ-साथ समिति उपलब्ध तकनीकी साधनों यथा-विश्वसनीय टैरिफ एनालायसिस टूल अथवा अन्य किसी माध्यम से मासिक दृश्य संख्या यूजर संबंधी रिपोर्ट की पुष्टि कर सकेगी।

छत्तीसगढ़ में अब तक 1273.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 1273.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से आज दस अक्टूबर तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 2429.0 मिमी और सरगुजा में जिले में सबसे कम 602.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर में 1019.9 मिमी, बलरामपुर में 1036.0 मिमी, जशपुर में 1065.6 मिमी, कोरिया में 884.4 मिमी, रायपुर में 934.5 मिमी, बलौदाबाजार में 1180.3 मिमी, गरियाबंद में 1279.5 मिमी, महासमुंद में 1165.5 मिमी, धमतरी में 1325.9 मिमी, बिलासपुर में 1468.8 मिमी, मुंगेली में 1336.8 मिमी, रायगढ़ में 1228.5 मिमी, जांजगीर-चांपा में 1386.8 मिमी, कोरबा में 1227.7 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 1084.2 मिमी, दुर्ग में 992.2 मिमी, कबीरधाम में 1137.9 मिमी, राजनांदगांव में 1239.0 मिमी, बालोद में 1302.4 मिमी, बेमेतरा में 724.7 मिमी, बस्तर में 1833.8 मिमी, कोण्डागांव में 1290.1 मिमी, कांकेर में 1559.1 मिमी, नारायणपुर में 1494.5 मिमी, दंतेवाड़ा में 1826.0 मिमी और सुकमा में 1613.1 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

समस्त सेवारत एवं सेवानिवृत्त सैनिकों के पालक पांच हजार रूपये की सहायता राशि हेतु कर सकते हैं आवेदन

रायपुर। समस्त सेवारत एवं सेवानिवृत्त सैनिक जो अपने पालक के एकमात्र संतान है, उनके पालक (माता-पिता) को ईनाम स्वरूप प्रतिवर्ष पांच हजार रुपये की राशि छत्तीसगढ़ शासन से दिए जाने का प्रावधान है। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी रायपुर ने बताया कि रायपुर जिले के अतिरिक्त धमतरी ,गरियाबंद, महासमुंद एवं बलौदाबाजार जिले के भूतपूर्व सैनिक एवं सेवानिवृत्त सैनिक के पालक जिला सैनिक कल्याण अधिकारी रायपुर के कार्यालय में आवेदन कर आर्थिक लाभ ले सकते है। अधिक जानकारी के लिए जिला सैनिक कल्याण कार्यालय रायपुर से कार्यकालीन समय मे स्वयं अथवा दूरभाष क्रमांक +91-0771-2237449 एवं मो.न. +91-7646853020 पर संपर्क कर सकते है।

लक्ष्य प्राप्ति के लिए दृढ़ संकल्प और सकारात्मक सोच जरुरीः राज्यपाल

ओपी जिंदल विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में शामिल हुई राज्यपाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके अपने एक दिवसीय रायगढ़ प्रवास के दौरान ओ.पी. जिंदल विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में शामिल हुई। यहां उन्होंने उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह आपके जीवन के एक महत्वपूर्ण चरण के पूरा होने का प्रतीक है। आप सभी ने अपने मूल विषय में ज्ञान और अंर्तदृष्टि प्राप्त करने तथा मूल्यों को विकसित करने के लिए कड़ी मेहनत की है। इसी प्रकार जीवन में लक्ष्य के प्रति दृढ़ संकल्प और सकारात्मक सोच के फलस्वरूप ही आप सफलता के सोपान तय करेंगे। दीक्षांत समारोह में राज्यपाल सुश्री उइके ने 31 स्वर्ण, 28 रजत और 27 कांस्य पदक सहित कुल 738 विद्यार्थियों को स्नातक की उपाधि प्रदान की और उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं की।

उन्होंने दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज युवाओं को प्रशिक्षित तथा प्रेरित करने के साथ-साथ उनमें उद्यमशीलता की भावना जगाने की जरूरत है। उन्हें अपना रास्ता तय करने के लिए मार्गदर्शित करने की आवश्यकता है। प्रत्येक विश्वविद्यालय की जिम्मेदारी है कि वह संकल्पना करें और राष्ट्र के विकास के लिए नई और उपयुक्त तकनीकों का निर्माण करें। राज्यपाल सुश्री उइके ने कहा कि अनुसंधान के लिए, समस्या समाधान के लिए, विकास के लिए अपने विद्यार्थियों के बीच नए विचारों, नवाचारों और उद्यमिता की सोच को पल्लवित और पोषित करे। नए विचारों और प्रौद्योगिकियों को कार्यशालाओं और उत्पादन तक लाकर दूरस्थ अंचलों में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब आप संकल्प लेंगे कि पूरा राष्ट्र आपका परिवार है तो पूरे देश को शक्ति मिलेगी और वास्तव में आपकी उपलब्धियों और क्षमता का राष्ट्र निर्माण में सदुपयोग हो पाएगा। मेरा आग्रह है कि आप जो भी कार्य करें, उसमें राष्ट्रहित सर्वोपरि हो।

राज्यपाल सुश्री उइके ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की पहल से देश में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की गई है जो समानता, गुणवत्ता और जवाबदेही के मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित है। निश्चित ही 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुकूल शिक्षा नीति अद्वितीय क्षमताओं को सामने लाएगा। उन्होंने युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद के विचारों को आत्मसात करने की विद्यार्थियों को सीख भी दी। साथ ही राष्ट्र के विकास में बाधा डालने वाले बुराईयों को दूर करने में अपनी भूमिका निभाने को कहा।

समारोह में स्वागत उद्बोधन यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ आर डी पाटीदार ने दिया। उन्होंने यूनिवर्सिटी के एकेडमिक एक्टिविटी के साथ उपलब्धियों का ब्योरा साझा किया। इस अवसर पर डॉ उमेश मिश्रा, चेयरमैन, छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, शहीद नंद कुमार पटेल यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ ललित प्रकाश पटेरिया, एडीएम सुश्री संतन देवी जांगड़े सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, उनके परिजन व यूनिवर्सिटी के स्टाफ उपस्थित थे।

समाज की उच्च अपेक्षाओं पर खरा उतरने की जिम्मेदारी

राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि आप अपने आपको इतना योग्य बनायें कि आजीविका आपकी खोज करें न की आप आजीविका की। विश्वविद्यालय के परिसर से दीक्षित होकर निकलना, आपको समाज की उच्च अपेक्षाओं पर खरा उतरने की जिम्मेदारी भी देता है। उन्होंने कहा कि यह जानकर प्रसन्नता हुई कि इस विश्वविद्यालय में देश के 18 से अधिक राज्यों के विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। यह परिसर विद्यार्थियों को एक बहुसांस्कृतिक और बहुजातीय वातावरण उपलब्ध करा रहा है। देश के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों का आपसी संवाद उन्हें एक व्यापक दृष्टि देता है और सामाजिक-सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाता है। इस मौके पर यूनिवर्सिटी की चांसलर शालू जिंदल ने सभी पास आउट विद्यार्थियों को बधाई और शुभकामनाएं दी।

बस्तर और सरगुजा संभाग में विस्तारित सहकारी बैंकिंग सुविधाएं होंगी उपलब्ध

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने मंत्रालय महानदी भवन में बस्तर एवं सरगुजा संभाग के विभिन्न स्थानों में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा के अनुसार सहकारी बैंकिंग सुविधाओं के विस्तार के लिए सहकारिता विभाग द्वारा क्रियान्वित की जा रही कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान की गई घोषणा के अनुसार बस्तर संभाग में 16 स्थानों पर और सरगुजा संभाग में आठ स्थानों पर बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

बैठक में जानकारी दी गई कि बस्तर संभाग के बस्तर जिले के नानगुर, बडेकिलेपाल, बकावण्ड, नदीसागर में सहकारी बैंक सुविधाओं का विस्तार हेतु कार्यवाही की जा रही है। इसी तरह से बीजापुर जिले में कुटरू और मद्देड में, नारायणपुर जिले में बेनूर और मर्दापाल में, कोण्डागांव जिले के दहीकोंगा, अमरावती (बीजापुर/अनंतपुर) में, बडे डोंगर, धनोरा और बड़ेराजपुर में सहकारी बैंकिंग सुविधाएं विस्तारित की जा रही है। इसी तरह से कांकेर के कोयलीबेडा और जेपरा/हल्बा और अमोड़ा में सहकारी बैंकिंग सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है।

सरगुजा संभाग में सरगुजा जिले के राजपुर एवं लुण्ड्रा में, सूरजपुर जिले के गोविंदपुर और देवनगर में बैंकिंग सुविधा मुहैया कराने के लिए कार्यवाही की जा रही है। वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये आयोजित इस बैठक में मुख्यमंत्री के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, सहकारिता विभाग के विशेष सचिव हिमशिखर गुप्ता, वित्त विभाग की विशेष सचिव सुश्री शीतल शाश्वत वर्मा सहित बस्तर, बीजापुर, नारायणपुर, कोण्डागांव, कांकेर, सरगुजा और सूरजपुर के कलेक्टर एवं सहकारिता विभाग अधिकारी शामिल हुए।

शासकीय एमबीबीएस डॉक्टर ने आयोग के समक्ष आवेदिका डॉक्टर से मांगी माफी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक एवं सदस्यगण सुश्री शशिकांता राठौर, डॉ अनीता रावटे एवं अर्चना उपाध्याय ने शास्त्री चौक स्थित राज्य महिला आयोग कार्यालय में महिलाओं से संबंधित शिकायतों के निराकरण के लिए सुनवाई की। बस्तर जिले के लोहंडीगुड़ा के शासकीय हॉस्पिटल के प्रकरण में उभय पक्षों को विस्तार से सुना गया।दोनो पक्ष शासकीय एमबीबीएस डॉक्टर है। आवेदिका ने बताया कि जब जॉइनिंग की थी, तब अनावेदक द्वारा लोगो के बीच मेरी डिग्री फर्जी है कहकर दुष्प्रचार किया और आवेदिका एमबीबीएस डॉक्टर नही है और अपने पति के पैसों के दम पर शासकीय हॉस्पिटल में जॉइन की है। साथ ही साथ मेरे दस्तावेजों को अवैधानिक रूप से निकलकर उसे पत्रकारों को भी दिया। जिन्होंने उसे पूरा लोहंडीगुड़ा में वायरल किया और मुझे ऑफिस के चपरासी से लेकर पूरा स्टाफ शक की नजर से देखते हैं। जिसके कारण मैं मानसिक तनाव में रहती हूं। आयोग की समझाइश दिए जाने पर अनावेदक जो लोहंडीगुड़ा बस्तर में मेडिकल ऑफिसर के पद पर पदस्थ है उन्होंने आयोग के समक्ष अपनी गलती को स्वीकार किया और आवेदिका की मानहानि का सार्वजनिक रूप से माफी मांगने का प्रस्ताव रखा। आवेदिका अनावेदक को सख्त से सख्त सजा दिलाना चाहती है। आवेदिका को समझाइश दिया गया कि सार्वजनिक माफी ही इसकी सबसे बड़ी सजा है। आवेदिका इसके लिए तैयार हुई अनावेदक ने आयोग के समक्ष आवेदिका से सार्वजनिक माफी मांगी जिसका वीडियो को इस प्रकरण के रिकॉर्ड में रखा गया है। इस प्रकरण को नस्तीबद्ध किया गया।

एक अन्य प्रकरण में आवेदिका ने बताया कि अनावेदक ने आयोग के समक्ष किये गए निर्देशों का पालन नही किया है। केवल एक दिन ही मकान बनाने का काम शुरू किया था और फिर काम बंद कर रखा है। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि अनावेदक आवेदिका के मकान बनाकर देने की नीयत नही रखता है। इस प्रकरण में अनावेदक को थाना प्रभारी के माध्यम से आगामी सुनवाई में उपस्थिति हेतु निर्देश दिया गया। इसी तरह एक अन्य प्रकरण में आवेदिका ने बताया कि नवम्बर 2021 से बिना सूचना के उनका वेतन रोक दिया है। वेतन के नाम पर अनावेदकगणों द्वारा रुपये की मांग किया जा रहा है।अनावेदक ने कहा कि आवेदिका झूठे आरोप लगा रही है। हकीकत यह है कि आवेदिका ने 21 वर्ष की पात्रता होने के बावजूद कम उम्र में ही नौकरी प्राप्त किया था। जिसका विभाग द्वारा जांच किया गया और आवेदन की जांच करने वाले व्याख्याता की वेतन वृद्धि भी रोकी गयी है। आयोग ने इस प्रकरण से सम्बंधित समस्त दस्तावेजों को आगामी सुनवाई में प्रस्तुत करने के निर्देश अनावेदक को दिए।

राजधानी वासी लिपाई के लिए अब सी-मार्ट से खरीद सकेंगे देशी गाय का गोबर

पूजा पाठ सहित अन्य पवित्र अवसरों पर देशी गाय के गोबर का महत्व

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दीपावली इस महीने की 24 तारीख को है। दीपावली के अवसर पर पूजा-पाठ और पवित्र संस्कार पांच दिन पहले से शुरू हो जाते है। ऐसे में शहरों में पूजा पाठ के लिए लिपाई करने या गौरी गणेश बनाने के साथ-साथ स्थान की पवित्रता सुनिश्चित करने के लिए देशी गाय के गोबर की उपलब्धता एक बड़ी समस्या होती है। हिन्दू धर्म में तीज त्योहारों में देशी गाय के गोबर के उपयोग का अपना अलग ही महत्व है। कांक्रीट के रेगिस्तान की तरह बढ़ते शहरों में दसी गाय का गोबर मिलना लोगों के लिए बेहद मशक्कत का काम होता है। कई बार ऐसे अवसरों पर दूर शहर के बहार के गांवो से गोबर ग्रामीणों से मांगकर लाना पड़ता है। इस दिवाली इस समस्याओं का रायपुर शहरवासियों को सामना नहीं करना पड़ेगा। रायपुर नगर निगम क्षेत्र के गोकुल नगर गौठान की देशी गायों का गोबर अब सी-मार्ट में लोगों को किफायती दामों पर उपलब्ध रहेगा। गोकुल नगर जोन 6 के गौठान में काम कर रही महिला स्व सहायता समूह की सदस्य देशी गाय के गोबर की आकर्षक पैकिंग कर रही है। यहाँ लिपाई के लिए देशी गाय के गोबर में रंग मिलाकर उसे लाल पीला हरा और बैगनी रंग दिया जा रहा है। यह देशी गाय का गोबर 1 किलो के पैकेट्स में सी-मार्ट में लोगों के लिए उपलब्ध रहेगा। इसकी कीमत 10 रुपए प्रति पैकेट होगी।

स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष नीलम अग्रवाल बताती है कि पिछले साल लिपाई का गोबर मांगने बहुत से लोग आते थे, जिन्हे मुफ्त में गोबर दिया गया था। इसलिए इस वर्ष इसे महिलाओं के लिए आमदनी का नया जरिया बनाकर इसे गौठान में ही तैयार करके बेचने का निर्णय लिया गया है।

गौठान में 400 से अधिक देशी गाय है जिनसे हर रोज़ करीब 3 हजार किलो गोबर मिलता है इस गोबर का उपयोग करके यहां कई प्रकार के उत्पाद बनाए जाते है। जिसमे देशी गाय के गोबर से, लकड़ी, कंडे, धुप, हवन सामग्री, खाद, सूटकेस, चप्पल, गुलाल, मूर्तियां, पेंटिंग, गमले, टाइल्स, जैसी 31 प्रकार की अलग-अलग सामग्रियां बनाई जाती है। दीपावली से पहले तीन टन लिपाई का गोबर तैयार करने का लक्ष्य महिला समूह द्वारा रखा गया है। जिसे सी-मार्ट के माध्यम से बेचा जाएगा।

छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना 'नरवा, गरूवा, घुरूवा और बाड़ी' के अंतर्गत जिले के गोकुल नगर, जोन 6 में 2.5 एकड़ में गौठान का निर्माण किया गया है। यहां गोबर को बेचा नहीं जाता बल्कि इससे कई प्रकार की सामग्री बनाने का काम महिला स्व सहायता समूह द्वारा किया जाता है। इन उत्पादों की बिक्री से गौठान को सालाना 30 लाख की आमदनी होती है। जिससे समूह की महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त बन रही है और किसी पर निर्भर भी नहीं है।

यहां के उत्पाद बनाते है इस गौठान को खास

स्व सहायता समूह में 13 महिलाएं काम करती है, जो गोवंश के देखभाल के साथ-साथ गोबर से विभिन्न उत्पाद बनाती है। गौठान में ऐसे कई उत्पाद है जो दुनिया में पहली बार बने है जिनमे गोबर की चप्पल, सूटकेस, घड़ियां, पेंटिंग्स जैसी सामग्रियां शामिल हैं। इन उत्पादों के कारण न केवल यहां की महिलाओं को ख़ास पहचान मिली बल्कि अपने हुनर की वजह से उन्हें विभिन्न मंचों पर सम्मानित भी किया गया है। गौठानों से महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हुई है और साथ ही प्रदेश भर की महिलाओं के लिए प्रेरणा भी बन रही है। राज्य शासन द्वारा भी गौठानों से आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। जिससे इन महिलाओं के साथ साथ प्रदेश भर की महिलाओं के प्रयासों को बल मिल रहा है। इसी बल के कारण महिलाएं न केवल अपने हुनर को निखार कर अपने लिए आय का श्रोत बना रही है बल्कि देश भर की महिलाओं के लिए मिसाल भी बन रही है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

जीन्स
टी-शर्ट
शर्ट
ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोनः 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel
Apana Keshari Lodge, Power House,
Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

स्किन के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता हैं बाथिंग टूल लूफा

नहाने के दौरान कई टूल का इस्तेमाल किया जाता हैं जो त्वचा की सफाई के काम आते हैं। इन्हीं में से एक बाथिंग टूल हैं लूफा जिसका आजकल बहुत इस्तेमाल किया जा रहा हैं। लूफा स्किन को स्क्रब करने का बेहतरीन तरीका है। ये एक फोमिंग बॉडी मसाज एजेंट के रूप में काम करता हैं। बॉडी वॉश के साथ मिलकर ये फोमिंग फॉर्म में आ जाता है और फिर स्किन को इससे रब करके बेहतर तरीके से साफ या क्लीन किया जा सकता है। लूफा बेशक स्किन की सफाई करता है, लेकिन स्किन को कई तरह से नुकसान भी पहुंचाता है। लूफा स्किन में इरिटेशन पैदा करता है। आज इस कड़ी में हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह लूफा स्किन को नुकसान पहुंचा रहा हैं और इसके इस्तेमाल के दौरान कैसे इसका ध्यान रखना चाहिए।

लंबे समय तक न करें यूज

ज्यादातर लूफे प्लास्टिक से बनाए जाते हैं और इस कारण इसके कुछ साइड इफेक्ट बी होते हैं। लूफे के इस्तेमाल के दौरान कुछ बातों का ध्यान न रखा जाए, तो स्किन पर रैशेज या खुजली जैसी समस्या पैदा हो सकती है। अगर आप मार्केट से लूफा लाते हैं और उसे रेगुलर यूज करते हैं, तो 20 से 30 दिन में इसे बदल दें। दअरसल, नहाते समय हर बार इसका इस्तेमाल करने की वजह से इसकी प्लास्टिक हार्ड होने लगती है और स्किन को हार्ड बना सकती है।

रब करने से बचें

महिलाएं त्वचा को साफ करने के लिए लूफा से स्किन को जोर-जोर से स्क्रब करने लगती है। मगर ऐसा करने से न सिर्फ आपकी त्वचा ढीली पड़ने लगती है बल्कि स्किन पर जलन, खुजली और रेडनेस का भी खतरा रहता है। इसलिए लूफा को रगड़ने के बजाए हल्के हाथों से स्क्रब करें। साथ ही एक दिन का गैप देने के बाद ही लूफा का इस्तेमाल करें।

गर्म पानी की लें मदद

त्वचा पर बॉडी वॉश लगाने के बाद डायरेक्ट लूफा यूज करने से आपकी त्वचा हार्श हो जाती है। ऐसे में नहाते समय लूफा को गर्म पानी में भिगो कर लें। इससे लूफा सॉफ्ट हो जाएगा और आपकी स्किन पर इसका कोई नुकसान नहीं होगा।

लूफा न करें शेयर

ब्यूटी प्रोडक्ट्स को कभी भी किसी के साथ शेयर नहीं करना चाहिए और ऐसा ही कुछ लूफा के साथ भी है। ऐसा करने से आपकी स्किन पर पिंपल्स, एक्ने या फिर खुजली की प्रॉब्लम हो सकती है।

लूफा को बाथरूम में न छोड़ें

हालांकि अगर आप नहीं चाहते कि आपका लूफा, बैक्टीरिया के पनपने की जगह बने तो इन जरूरी बातों का ध्यान रखें। हर बार नहाने के बाद लूफा को शावर के पास बाथरूम में न छोड़े। लूफा को धूप में कहीं टांग दें ताकी वह पूरी तरह से सूख जाए। आप चाहें तो हेयर ड्रायर यूज करके भी लूफा को पूरी तरह से सुखा सकती हैं ताकि उसमें पानी न रहे। अगर लूफा से किसी भी तरह की बदबू आ रही हो या उसका रंग बदल जाए तो उसे तुरंत चेंज करके नया लें।

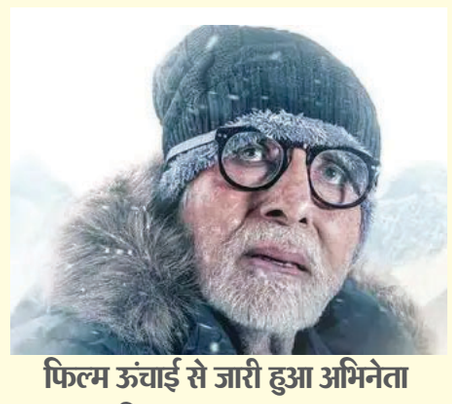

फिल्म ऊंचाई से जारी हुआ अभिनेता अमिताभ बच्चन का लुक

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन आज यानी 11 अक्टूबर को 80 साल के हो गए। 11 अक्टूबर, 1942 को प्रयागराज में उनका जन्म हुआ था। अब उनके जन्मदिन से पहले उनकी फिल्म ऊंचाई से उनका लुक जारी हो गया है। उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया है। राजश्री प्रोडक्शन की यह मल्टीस्टारर फिल्म 11 नवंबर को बड़े पर्दे पर आने वाली है। अमिताभ ने इंस्टाग्राम पर ऊंचाई का पोस्टर शेयर किया है। साथ ही उन्होंने फिल्म से अपने कैरेक्टर का नाम भी बताया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, राजश्री का यह एक खास प्रोजेक्ट है। 11 नवंबर, 2022 को ऊंचाई में मुझसे अमित श्रीवास्तव के रूप में मिलिए। सूरज बड़जात्या की यह फिल्म जीवन और दोस्ती का जश्न मनाती है। फिल्म का निर्देशन सूरज ने ही किया है।

अमिताभ फिल्म के पोस्टर में बर्फीले पहाड़ों के बीच दिखे हैं। टोपी और चश्मे में उनका लुक काफी इंटेंस लग रहा है। फैंस हार्ट इमोजी के साथ फिल्म के पोस्टर पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। इस पोस्टर में एक जगह लिखा गया है, दोस्ती ही उनकी एकमात्र प्रेरणा थी। इस फिल्म का पहला पोस्टर फ्रेंडशिप डे पर जारी किया गया था, जिसमें अमिताभ के साथ अनुपम खेर और बोमन ईरानी को पहाड़ पर चढ़ते हुए दिखाया गया था।

ऊंचाई में अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। खबरों की मानें तो फिल्म में परिणीति को टूरिस्ट गाइड की भूमिका में देखा जाएगा। उनके अलावा डेनी डेनजोंगपा, सारिका ठाकुर और नीना गुप्ता जैसे सितारे भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म की शूटिंग इस साल की शुरुआत में पूरी हो गई थी। इस फिल्म को मुंबई, नेपाल, लखनऊ, आगरा और कानपुर जैसी जगहों पर शूट किया गया है। यह एक फैमिली ड्रामा एंटरटेनर फिल्म होगी।

एक सूत्र ने कहा था, यह सूरज के लिए खास प्रोजेक्ट है, क्योंकि वह तीन पुराने दोस्तों के बीच की कहानी को लेकर आ रहे हैं, जो जीवन में अलग-अलग मुद्दों से निपटते हैं। यह सूरज की टिपिकल फिल्म है, जो फरहान अख्तर की जिंदगी ना मिलेगी दोबारा के तर्ज पर बनाई जा रही है। अमिताभ और अन्य कलाकारों की उपस्थिति फिल्म के प्रति दर्शकों में उत्साह पैदा करती है। सूरज बड़ी फैमिली एंटरटेनर फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उनकी प्रेम रतन धन पायो में सलमान खान और सोनम कपूर नजर आए थे। वह विवाह, हम आपके हैं कौन, हम साथ साथ है, मैंने प्यार किया जैसी फिल्में बना चुके हैं।

सैयामी खेर, प्रतीक गांधी, दिव्येंदु ने फायर फाइटर फिल्म अग्नि की शूटिंग पूरी की

आगामी हिंदी फिल्म अग्नि की शूटिंग शुक्रवार को पूरी हो गई। अग्निशामकों के संघर्षों और चुनौतियों पर आधारित इस फिल्म में मिज्या फेम सैयामी खेर, स्कैम 1992- द हर्षद मेहता स्टोरी स्टार प्रतीक गांधी और मिजार्पुर स्टार दिव्येंदु शामिल हैं। अगस्त में मुंबई में अपनी शूटिंग शुरू करने वाली अग्नि का निर्देशन राहुल ढोलकिया ने किया है, जिन्होंने इससे पहले शाहरुख खान-स्टारर 2017 की फिल्म रईस का निर्देशन किया था। सैयामी ने अपने सोशल मीडिया पर अपने सहयोगियों और निर्देशक के साथ तस्वीरें साझा करते हुए कहा, यह अग्नि पर एक लपेट है। मुझे एक फिल्म को समेटने की भावना कभी पसंद नहीं आई है।खासकर तौर पर जब आप समान विचारधारा वाले लोगों के समूह के साथ काम करते हैं।इसके अलावा सैयामी अगली बार अभिषेक बच्चन, अश्विनी अय्यर तिवारी की पहली डिजिटल सीरीज फाडू, अनुराग कश्यप की अगली प्रोडक्शन गुलशन देवैया और ताहिरा कश्यप के निर्देशन में बनी पहली फिल्म शमार्जी की बेटी के साथ बाल्की की घूमर में मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी।

ऑफ शोल्डर ड्रेस पहन नेहा मलिक ने लगाया बोल्डनेस का तड़का

भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग आउटफिट को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो वो तेजी से फैंस के बीच वायरल होने लगती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट हॉट फोटोशूट की तस्वीरों से एक बार फिर इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। अपने बेबाक अभिनय के लिए फेमस नेहा मलिक हमेशा अपने ड्रेसअप को लेकर लाइमलाइट में रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट ग्लैमरस लुक्स में फोटोशूट करवाया है, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। एक्ट्रेस नेहा मलिक ने इन तस्वीरों में डार्क ब्लू कलर की ऑफ शोल्डर ड्रेस पहनी हुई है। अभिनेत्री नेहा मलिक का ये हॉट और सेक्सी लुक देख कर फैंस एक बार फिर अपने होश खो बैठे हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस नेहा मलिक अपना डीप नेक क्लीवेज फ्लॉन्ट करते हुए हॉट फोटोशूट करवा रही हैं। फैंस को एक्ट्रेस नेहा मलिक का ये लुक बेहद ही शानदार लग रहा है। नेहा हमेशा अपने बिंदास लुक्स से फैंस को अपनी ओर अट्रेक्ट करने में कोई कसर नहीं छोड़ती हैं। एक्ट्रेस नेहा मलिक सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं।

बालिका वधु फेम अविका गोर का 'कहानी रबरबैंड की' से बॉलीवुड में डेब्यू

बालिका वधू में अपनी शानदार अदाकारी से लाखों दिल जीतने वाली छोटे पर्दे की खूबसूरत अदाकारा अविका गोर बॉलीवुड में एंटर करने के लिए तैयार हैं। अपकमिंग सोशल कॉमेडी फिल्म कहानी रबरबैंड की के द्वारा वह हिंदी सिनेमा की दुनिया मे कदम रख रही हैं। फिल्म को नवोदित फिल्म मेकर सारिका संजोत ने लिखा और निर्देशित किया है। बता दें कि अविका गोर पहले तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों में काम कर चुकी हैं, कहानी रबरबैंड की उनकी डेब्यू हिंदी फिल्म है। फिल्म में उनके ससुराल सिमर का के सह-कलाकार मनीष रायसिंघन भी हैं और उनकी भी यह पहली फिल्म है। इसमें स्कैम 1992 के सुपरस्टार प्रतीक गांधी और कॉमेडी स्टार गौरव गेरा के साथ-साथ अरुणा ईरानी और पेंटल जैसे दिग्गज कलाकार भी शामिल हैं।

यह जबरदस्त कॉमेडी फ़िल्म उस दुकानदार के इर्द-गिर्द घूमती है, जो रबरबैंड के नाम से कंडोम बेचता है। एक मनोरंजक मसाला एंटरटेनर के माध्यम से यह सोशल ड्रामा दर्शकों को भी शिक्षित करने का वादा करती है। नवोदित डायरेक्टर सारिका संजोत कहती हैं, मैं इस कहानी को दर्शकों के सामने लाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। फिल्म ऐसे महत्वपूर्ण विषय को इस तरह से संबोधित करती है जो भारतीय समाज में कंडोम के पूरे विचार को स्वीकार करने लायक बनाता है। वह आगे कहती हैं, दुर्भाग्य से एक समाज के रूप में, जिस चीज की हमें सबसे ज्यादा जरूरत है, उसे हम वर्जित मानते हैं। इस फिल्म को बनाने के पीछे का मकसद कंडोम को घरेलू नाम बनाना है। मैं चाहती हूं कि युवा मेडिकल स्टोर में जाने और कंडोम मांगने में सहज हों। इसमें शर्मिंदा होने की कोई बात नहीं है, वास्तव में, यह सबसे ज़िम्मेदार चीज़ है! मैं कंडोम को लेकर शर्म को दूर करना चाहती हूं और शायद इस गहरे विषय के इस हास्यपूर्ण प्रस्तुतिकरण के माध्यम से इसे रबर बैंड के रूप में नाम देकर हमारे देश के युवाओं के लिए कंडोम खरीदने के पूरे अनुभव को सामान्य कर सकता है!

फिल्म के कलाकारों के बारे में बात करते हुए, सारिका कहती हैं, मैं इस फिल्म में शामिल सभी लोगों के अभिनय से बहुत प्रभावित हूं। मैं इससे बेहतर स्टार कास्ट के लिए नहीं कह सकती थी। अविका से लेकर मनीष, प्रतीक से लेकर अरुणा जी, पेंटल से लेकर गौरव गेरा और अन्य सभी ने अपने-अपने हिस्से को बखूबी निभाया है।

कहानी रबरबैंड की का निर्माण मून हाउस प्रोडक्शंस के बैनर तले किया गया है। मीत ब्रदर्स ने फिल्म के लिए संगीत तैयार किया है, जबकि फारूख मिस्त्री सिनेमेटोग्राफर हैं। फिल्म के गाने में जाने-माने सिंगर्स कुणाल गांजावाला, हरगुन कौर और गीत सागर की खूबसूरत आवाजें सुनी जा सकती हैं। फिल्म 14 अक्टूबर को पीवीआर सिनेमा पूरे भारत में रिलीज करेगा।

सुपरस्टार चिरंजीवी की फिल्म गॉडफादर ने बॉक्स ऑफिस पर किया धमाका

चिरंजीवी-स्टारर गॉडफादर बढ़े परदे पर देखा जायेगा। यह स्पष्ट है कि वास्तव में ऐसी कोई फिल्म नहीं है जिसे दर्शकों द्वारा इतना प्यार और स्वीकृति मिली हो। इस फिल्म ने जिसने निस्संदेह भारतीय सिनेमा के इतिहास में नए मानक स्थापित करते हुए अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा है।

गॉडफादर शानदार और पारिवारिक मनोरंजक फिल्मों मैं से एक है। चिरंजीवी ने दक्षिण में अपनी अच्छी सफता के अलावा, उत्तर, पूर्व और पश्चिम भारत के क्षेत्रों में हिंदी भाषा का अच्छा प्रदर्शन करते हुए नज़र आ रहे है। त्योहारों के चलते सिनेमा घरों मैं सुपरस्टार चिरंजीवी के आने से लोगों मैं उत्साह दुगना बढ़ते हुए नज़र आ रहा है। फिल्म व्यापार विश्लेषकों के अनुसार, राजनीतिक-एक्शन फिल्म के बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म काफी ज़्यादा चलने की उम्मीद है। इस सब के अलावा, चिरंजीवी के साथ सलमान खान की उपस्थिति फिल्म मैं नज़र आएगी और साथ ही दोनों के प्रशंसकों ने काफी सराहा है।

गॉडफादर फिल्म को मोहन राजा निर्देशित मलयालम राजनीतिक थ्रिलर के आधिकारिक की फिल्म लूसिफ़ेर से पुनर्निर्माण किया गया है जिस मैं मोहनलाल, विवेक ओबेरॉय, अन्य कलाकारों की उपस्तिथि नज़र आयी थी। गॉडफादर इस फिल्म मैं कैमियो करते हुए हम सभी के भाईजान सलमान खान भी नज़र आएंगे।

चिरंजीवी के साथ इस फिल्म मैं नयनतारा, सत्यदेव और अन्य कलाकारों की उपस्तिथि नज़र आएगी। फिल्म में लोकप्रिय संगीतकार एस थमन का संगीत स्कोर दिया गया है। साथ ही फिल्म के तीनों गानों को पहले ही नेटिज़न्स से सराहना काफी मिल चुकी है।

दूसरों के सामने शर्मिंदा कर सकती हैं सिर में खुजली की समस्या, इन उपायों से मिलेगा आराम

महिला हो या पुरूष, दोनों के सुंदर दिखने में बालों का बड़ा रोल होता है। हर कोई चाहता है कि उसके बाल साफ और स्टाइलिश दिखें, लेकिन यह तभी संभव है जब आपका स्कैल्प भी सेहतमंद हो। ऐसे में मौसम में बदलाव के साथ बालों का खास ख्याल रखने की जरूरत होती हैं। अक्सर देखने को मिलता हैं कि लोग सिर में खुजली की समस्या से परेशान रहते हैं जो कई बार आपको दूसरों के सामने शर्मिंदा भी कर सकती हैं। कई बार सिर में दाने, सिर में फंगस, पपड़ी या रूसी की वजह से सिर में खुजली होने लगती है। ऐसे में आज हम आपके लिए कुछ ऐसे उपाय लेकर आए हैं जिनकी मदद से खुजली की समस्या को आसानी से दूर किया जा सकता हैं। आइये जानते हैं इन उपायों के बारे में...

एप्पल वेनेगर

एप्पल वेनेगर मतलब सेब का सिरका। ये सिर की गंदगी को साफ करने के लिए बहुत समय से उपयोग किया जा रहा है। तीन चौथाई पानी के साथ एक चौथाई सेब का सिरका मिलाकर बालों में रोज मालिश करने से सिर में खुजली की समस्या दूर हो जाती है।

नींबू

नींबू के रस में एन्टीसेप्टिक गुण होते हैं, इसे सिर पर लगाने से रूसी एवं सिर की खुजली से राहत मिलती है। 15 ग्राम काली मिर्च का पावडर, 40 मिली नींबू का रस और 30 मिली कच्चा दूध इन सबको मिलाकर नहाने से आधा घण्टा पहले बालों में लगाने से बालों में रूसी नहीं रहती और खुजली भी मिट जाती है।

टी ट्री ऑयल

दुनियाभर में टी ट्री ऑयल का प्रयोग लोग सुंदरता बढ़ाने के लिए करते रहे हैं। इसमें टरपीन्स नाम को यौगिक मौजूद होता है जो एंटी-बैक्टीरियल, एंटीफंगल गुणों से लैस होता है। इसके उपयोग से बालों की जड़ों में नमी बनी रहती है और खुजली से निजात मिल जाती है। 2 चम्मच टी ट्री ऑयल को एक चम्मच ऑलिव ऑयल में मिलाएं। कॉटन की रुई को मिश्रण में डुबोकर बलों की जड़ों में मसाज करें। एक हफ्ते बाद से ही आपको परिणाम दिखने लगेंगे।

नारियल का तेल

नारियल का तेल बालों के लिए किसी रामबाण से कम नहीं है। क्योंकि, यह बालों को मुलायम बनाने के साथ ही सिर से जुड़ी सभी समस्याओं से भी छुटकारा दिलाने में भी कारगर है। यह सिर की खुजली से निजात दिलाने में भी मदद करता है।

इसके लिए थोड़े से नारियल तेल को गुनगुना कर लें। फिर इससे अपने सिर की हल्के हाथों से मसाज करें। ऐसा करने से डैंड्रफ दूर होता है, साथ ही आपको खुजली से भी राहत मिल सकती है।

प्याज का रस

प्याज का रस स्कैल्प की खुजली मिटाने का बेहतर और कारगर उपाय है, अगर आप इसकी गंध सहन कर सकते हैं। प्याज का रस निकाल कर कॉटन की मदद से सिर की त्वचा पर लगाएं और इसे 20 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद अच्छी तरह सिर धो लें।

ऐलोवेरा

यह तो सभी जानते हैं कि ऐलोवेरा गुणों का खजाना है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ऐलोवेरा का उपयोग आपके बालों को भी सुंदर, मजबूत और डैड्रफ फ्री कर सकता है। जी हां, अगर ऐलोवेरा जेल को बालों की जड़ों में थोड़ी देर मसाज करके 15 मिनट बाल शैम्पू से धोया जाय तो सिर में खुजली की समस्या दूर हो जाती है।

तिल का तेल

सिर की मालिश के लिए तिल के तेल का इस्तेमाल करें यह खुजली और रूखेपन से छुटकारा दिलाने में मदद करता है। तिल के तेल को गर्म करके रात में सोने से पहले दस मिनट तक सिर की मालिश करें और सुबह उठकर शैम्पू से सिर धोएं।

पका केला

एक पका केला लेकर शहद मिलाकर अच्छी प्रकार मिला लें और इसमें प्याज का रस मिक्स करें फिर इसे बालों की जड़ों में लगा कर 20 मिनट तक छोड़ दें और शैम्पू कर लें।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-

9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir

BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.

रामा कोचिंग

135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स

आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां

उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई

9827938211, 9827171332

खास खबर

सुराजी गांव योजना के तहत निर्मित गौठानों में किसान कर रहे पैरादान को प्रोत्साहित

राजनांदगांव। जिले में खरीफ धान फसल की कटाई में कंबाईन हार्वेस्टर का बहुतायत में उपयोग होता है। हार्वेस्टर से कटाई उपरांत फसल अवशेष पैरा खेत में फैल जाता है। खेत में फैले हुए पैरा को किसान आमतौर पर समेटते नहीं है और खेत में जला देते है। इससे पर्यावरण प्रदूषित होता है और पशुओं के लिए चारा भी उपलब्ध नहीं हो पाता है। खेत में फैले हुए फसल अवशेष पैरा को सुविधानुसार एकत्र किया जा सकता है। इसके अलावा कल्टीवेटर के पीछे तार जाली लगाकर या देशी यंत्र कोपर द्वारा भी खेत में फैले हुए पैरा को एकत्र किया जा सकता है। फलस्वरूप पर्याप्त मात्रा में पैरा की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। गौठान में एकत्र पैरा को गौठान स्तर पर आवश्यकतानुसार बंडल बनाकर सुरक्षित रखा जा सकता है। गौठानों में सामान्यत: प्रतिदिन प्रति पशु औसतन दो किलोग्राम पैरा की आवश्यकता होती है व प्रतिदिन औसतन एक ट्राली पैरा की खपत के हिसाब से 150 दिन के लिए 150-200 ट्राली पैरा की खपत होती है।

बांस शिल्प के जरिये आमदनी में हुई बढ़ोत्तरी

गरियाबंद। गरियाबंद जिले के ग्राम डोंगरीगांव के अनोज कुमार, ग्राम काजनसरा के दिनेश कुमार, ग्राम पाठसिवनी के चन्द्रप्रकाश, रावणभाठा के टिलोसरी और ग्राम धमनी के सावित्री सोनवानी ने छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड द्वारा डोंगरीगांव में संचालित बांस शिल्प केन्द्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर जॉबवर्क के माध्यम से अपने परिवार की माली हालत में सुधार कर अपनी आर्थिक स्थिति में बढ़ोत्तरी लाने मे कामयाबी हासिल किये है। प्रशिक्षण प्राप्त कर ये लोग बांस के सोफा सेट ,फाइल रेक, चेयर, डायनिंग सेट, कॉर्नर रेक, स्टूल, फ्लॉवर पॉट, चुड़ी हेंगर, लेटर बाक्स एवं गुलदस्ता हेंगल आदि अन्य बांस शिल्प निर्मित कर बाजार में बिक्री कर अच्छी आमदनी अर्जित कर रहे है। इसके अलावा ये लोग मास्टर ट्रेनर के रूप में बांसशिल्प केन्द्र में अन्य प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित भी कर रहे है।

आदिवासियों के हित संरक्षण और उनके उत्थान के लिए हो रहे निरंतर कार्य

मुख्यमंत्री की घोषणा-भोरमदेव में बैगा आदिवासी समाज के संग्रहालय का होगा निर्माण

पोस्ट मेट्रिक छात्रावास को 50 से 100 सीटर किया जाएगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल प्रदेश व्यापी भेंट मुलाकात अभियान अंतर्गत कवर्धा प्रवास के दौरान आज शाम शासकीय स्नोतकोत्तर महाविद्यालय के आडिटोरियम में आयोजित आदिवासी समाज सम्मेलन में शामिल हुए। उन्होंने इस मौके पर आदिवासी समाज को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में हमारी सरकार के बनते ही आदिवासियों के हित संरक्षण और उनके उत्थान के लिए लगातार कार्य हो रहे है। उन्होंने स्पष्ट रूप से अवगत कराया कि राज्य में आरक्षण के लाभ से आदिवासी वंचित नहीं होंगे। इसके लिए आदिवासी समाज को किसी भी तरह से चिंतित होने की जरूरत नहीं है। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री टी.एस.सिंहदेव, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर, पंडरिया विधायक श्रीमती ममता चंद्राकर सहित आदिवासी समाज के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। मुख्यमंत्री बघेल ने इस दौरान आदिवासी समाज की मांग पर विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समाज की संस्कृति के प्रचार-प्रसार तथा उसके संरक्षण और संवर्धन के लिए भोरमदेव में बैगा आदिवासी समाज के संग्रहालय निर्माण की घोषणा की। साथ ही उन्होंने कवर्धा स्थित पोस्ट मैट्रिक छात्रावास को 50 सीटर से बढ़ाकर 100 सीटर में उन्नयन करने और आदिवासी मंगल भवन कवर्धा में अतिरिक्त कमरा के निर्माण की भी घोषणा की। इसके अलावा मुख्यमंत्री श्री बघेल ने विकासखंड बोड़ला के शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला रेंगाखार जंगल की छात्रा कु. राधना मेरावी के आईआईटी खडगपुर में चयन होने पर उन्हें उच्च शिक्षा के लिए तीन लाख रूपये प्रदान करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने संबोधित करते हुए आगे कहा कि राज्य में आदिवासियों की भलाई के लिए आदिवासी समाज की जरूरतों और अपेक्षाओं को ध्यान में रखकर अनेक योजनाएं बनाई गई है और इनका पूरी संवेदनशीलता के साथ क्रियान्वयन कर उन्हें आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है।

इसके तहत राज्य में आदिवासी संस्कृति को नई पहचान और बढ़ावा देने के लिए देवगुड़ी तथा घोटूल का विकास प्राथमिकता से किया जा रहा है। इस तरह देवगुडियों और घोटूलों के संरक्षण और संवर्धन से राज्य में आदिम जीवन मूल्यों को पुर्नजीवित कर सहेजा एवं संवरा जा रहा है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ की आदिवासी संस्कृति को देश-दुनिया से परिचित कराने के लिए राष्ट्रीय जनजातीय नृत्य जैसे गौरवशाली महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इसमें गत वर्ष देश भर से विभिन्न राज्यों के अलावा अन्य 6 देशों के आदिवासी नर्तक समूहों ने भाग लिया था, इससे छत्तीसगढ़ की आदिम संस्कृति की ख्याति अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंच चुकी है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि हमने राज्य में वन अधिकार कानून का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए जल-जंगल-जमीन पर आदिवासी समाज के अधिकारों को पुष्ट किया है। हमने राज्य में व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र, सामुदायिक वन अधिकार पत्र और सामुदायिक वन संसाधन के अधिकार के साथ-साथ रिजर्व क्षेत्र में भी वन अधिकार प्रदान करना शुरू कर दिया है।

प्रशासनिक इकाई के विस्तार से वनांचल, दूर-दराज के ग्रामीणों को अब नजदीक मिलेगी सुविधा

जिले के चौथे अनुविभाग सहसपुर लोहारा का मुख्यमंत्री बघेल ने किया विधिवत शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज अपने प्रदेशव्यापी भेंट-मुलाकात के कबीरधाम जिले के प्रवास के दौरान सोमवार को विकासखण्ड मुख्यालय सहसपुर लोहारा में नवीन राजस्व अनुविभाग मुख्यालय कार्यालय का शुभारंभ किया। इस मौके पर जिले के प्रभारी मंत्री श्री टीएस सिंहदेव, कैबिनेट मंत्री श्री मोहम्मद अकबर, पंडरिया विधायक श्रीमती ममता चंद्राकर, कलेक्टर श्री जनमेजय महोबे एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

क्षेत्रवासियों को प्रशासनिक सुविधा और वनांचल, दूर-दराज के ग्रामीणों की सुविधा के लिए सहसपुर लोहारा में अनुविभाग कार्यालय का विधिवत शुभारंभ के साथ ही ग्रामीणों के लंबे समय की मांग को मुख्यमंत्री श्री बघेल ने पूरा किया है। कैबिनेट मंत्री श्री मोहम्मद अकबर के विशेष प्रयास से यह उपलब्धि क्षेत्रवासियों को मिली है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज तहसील सहसपुर लोहारा को अनुविभाग का स्वरूप देकर इसका शुभारंभ कर क्षेत्रवासियों को सहसपुर लोहारा के अनुविभाग बनने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022-23 के बजट में तहसील सहसपुर लोहारा को अनुविभाग का दर्जा दिया गया। आज इसके शुभारंभ के बाद यह जिले का चौथा अनुविभाग होगा। इसके अंतर्गत 1 नगरीय निकाय, कुल 96 ग्राम पंचायत, 198 गांव शामिल हैं। तहसील का भौगोलिक क्षेत्र 61479 हेक्टयर है। सहसपुर में 01 स्वास्थ्य केन्द्र, 05 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और 25 उपस्वास्थ्य केन्द्र संचालित है। तहसील सहसपुर के अंतर्गत 22 धान खरीदी केन्द्र, 5 राजस्व निरीक्षक मंडल और 45 पटवारी हल्का है। वर्ष 2011 के जनगणना अनुसार सहसपुर तहसील की जनसंख्या 152238 है। जिसमें 72792 पुरूष और 72929 महिला है।

गौ-मूत्र से निर्मित उत्पाद से कृषकों एवं स्वसहायता समूहों की आय में हो रही वृद्धि

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। छ.ग. शासन की फ्लैगशिप योजना नरवा, गरुवा, घुरुवा, बाड़ी योजनांतर्गत गौ-मूत्र क्रय एवं इससे निर्मित उत्पाद से कृषकों एवं स्वसहायता समूहों की आय में वृद्धि हो रही है। विदित हो कि जिला बेमेतरा के गौठान मौहाभाठा एवं गौठान ओडिया विकासखण्ड साजा में 20 जुलाई 2022 को गौ-मूत्र क्रय प्रारंभ किया गया है। इस योजना में स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा गांव के कृषकों से गौ-मूत्र क्रय किया जा रहा है।

गौ-मूत्र उत्पाद के विपणन का कार्य कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की सहायता से की जा रही है। क्रयित गौ-मूत्र से स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा जीवमृत व कीटनाशक निर्माण कर विक्रय से हजारों रुपये की आमदनी अर्जित कर रही है, जो कि जिलें के लिये एक नयी एवं प्रेरणादायक पहल है।

उक्त जानकारी डॉ. राजेन्द्र भगत, उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवायें जिला बेमेतरा द्वारा दी गई। ओड़िया में कुल 1071 ली. गौ-मूत्र क्रय किया गया एवं 525 ली. कीटनाशक एवं 400 ली. जीवमृत उत्पाद बनाया गया है, इसी प्रकार गौठान मौहाभाठा में 576 ली. गौ-मूत्र क्रय किया गया जिससे 288 ली. कीटनाशक तैयार किया गया है। गौ-मूत्र उत्पाद जीवमृत को पंचायत विभाग द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम के लिए क्रय किया गया एवं कीटनाशक को चारागाह विकास कार्यक्रम के लिए स्व-सहायता समूह द्वारा क्रय किया गया तथा कृषि विभाग द्वारा कीटनाशक क्रय किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़िया ओलंपिक : क्या बच्चा, क्या बुजुर्ग, युवा, महिला और पुरुष सहित सभी आयु वर्ग के प्रतिभागी उत्साहपूर्वक ले रहे भाग...

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशानुसार कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक और स्थानीय खेलों को बढ़ावा देने जिले में छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का आयोजन किया जा रहा है। 6 अक्टूबर से शुरू हुए छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में बच्चे, बुजुर्ग, युवा, महिला, पुरुष सहित सभी आयु वर्ग के प्रतिभागी स्वस्फूर्त बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।

जिसके तहत आज पांचवे दिन भी जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का आयोजन किया गया। कलेक्टर के मार्गदर्शन में संबंधित अधिकारियों द्वारा खेल गाइडलाइन के अनुसार 6 से 11 अक्टूबर तक खेलों के आयोजन के माध्यम से गांव से शहरों तक, बच्चों से बुजुर्ग तक सभी वर्गों में एक नए उत्साह का संचार हो रहा है और अब नई पीढ़ी भी स्थानीय खेलों के प्रति जागरूक हो रही हैं।

जिला खेल अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में राजीव गांधी युवा मितान क्लब के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर 6 अक्टूबर 2022 को पिट्ठुल, गिल्ली डंडा, लंगड़ी दौड़, 7 अक्टूबर को संखली, बाटी (कंचा), बिल्लस, 8 अक्टूबर को खो-खो, फुगड़ी, गेड़ी दौड़, 9 अक्टूबर को कबड्डी, 100 मीटर दौड़ और 10 अक्टूबर को रस्साकसी, भंवरा, लंबी कूद खेलों का आयोजन विभिन्न जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कराया गया और जोन स्तर के प्रभारी अधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी को 11 अक्टूबर को विजेता खिलाड़ियों की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इसी प्रकार जोन स्तर (8 क्लब को मिलाकर एक जोन होगा) पर 15 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक खेलों का आयोजन किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा 06 अक्टूबर को प्रदेश स्तर पर छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक की शुरूआत की गई है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की पहल पर छत्तीसगढ़ की संस्कृति से लोगों को जोड़कर रखने व स्थानीय खेलकूद को बढ़ावा देने के लिए ''छत्तीसगढ़िया ओलंपिक'' का आयोजन 06 अक्टूबर 2022 से 06 जनवरी 2023 तक किया जा रहा है। इसके अंतर्गत दलीय एवं एकल श्रेणी में 14 प्रकार के पारम्परिक खेलों को शामिल किया गया है, जिसमें 18 वर्ष से कम, 18 से 40 वर्ष एवं 40 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोग शामिल हो रहे हैं। इस खेल प्रतियोगिता के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खेल जैसे-गिल्ली डंडा, पिट्ठुल, संखली, लंगड़ी दौड़, कबड्डी, खो-खो, रस्साकसी, बाटी (कंचा), बिल्लस, फुगड़ी, गेड़ी दौड़, भंवरा, 100 मीटर दौड़, लम्बी कूद इत्यादि में सभी वर्ग के प्रतिभागी उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं। यह प्रतियोगिता गांव से लेकर राज्य स्तर तक 06 स्तरों पर होगी।

मंत्री ताम्रध्वज साहू ग्राम सिवनी में शहीद नारद निषाद की प्रतिमा का किया अनावरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। प्रदेश के लोक निर्माण, गृह, जेल, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, पर्यटन मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू ने आज जिले के ग्राम सिवनी में शहीद नारद निषाद की प्रतिमा का अनावरण कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करते हुए नमन किया। इस अवसर पर प्रदेश की महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती अनिला भेंडिया, संसदीय सचिव व गुण्डरदेही विधायक श्री कुंवर सिंह निषाद और संजारी-बालोद विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा ने भी शहीद की प्रतिमा को नमन किया। समारोह में अतिथियों द्वारा शहीद नारद निषाद के परिवार जनों को शॉल व श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू ने समारोह को मुख्य अतिथि की आसंदी से संबोधित करते हुए कहा कि हमारे जवान हर मौसम में स्वयं की जान की परवाह किए बिना देश की सुरक्षा के लिए समर्पित रहते हैं। जिससे हम अपने घरों में चैन की नींद ले पाते हैं।

उन्होंने कहा कि जवानों के साहस और पराक्रम की गाथाएँ हमारे युवाओं को हमेशा प्रेरित करती रहेगी। मंत्री श्रीमती अनिला भेंडिया ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे वीरपुत्र पर हमें गर्व हैं, आज सेना व पुलिस के बदौलत देश के लोग सुरक्षित महसुस कर रहे हैं। समारोह को संसदीय सचिव व गुण्डरदेही विधायक श्री कुंवर सिंह निषाद और संजारी-बालोद विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा ने भी संबोधित कर शहीद को नमन किया। उल्लेखनीय है कि सहायक प्लाटून कमाण्डर शहीद नारद निषाद 21 मार्च 2022 को नक्सल ऑपरेशन के दौरान ग्राम मिनपा घाटी, जिला-सुकमा में अदम्य साहस का परिचय देते हुए वीरगति को प्राप्त हो गए थे।

आवश्यकता है
श्रीकांत इंडस्ट्रीज को फैक्ट्री के अंदर साईट सुपरवाइजर की आवश्यकता है -
131, 132, 135-बी, 136-बी, लाइट इंडस्ट्रीज एरिया, भिलाई - 490026
संपर्क करें
महेन्द्र शर्मा, मो. 9303700461

Y Fitness
start 17500/-
Bajaj Finance Available
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

गुजरात राजस्थानी थाली
पार्सल सुविधा
स्वाद घर का.....
राजस्थानी पारंपरिक व्यंजनों की स्वाद का आनंद लें
घड़ी चौक के सामने, गौरी लॉज के नीचे, सुपेला, भिलाई
संतोष शर्मा : 9649604367 देवीलाल शर्मा : 9783391314 प्रतीक दवे : 9752525050

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

थाना में कांस्टेबल ने खुद को मारी गोली, दो महीने पहले इसी थाने में एसआई ने लगाई थी फांसी

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में पदस्थ एक पुलिस कांस्टेबल ने सोमवार को खुद को गोली मारकर थाना परिसर में ही आत्महत्या कर ली। घटना सुबह लगभग दस बजे की है। मिली जानकारी के अनुसार जिले के मैनपुर थाने में पदस्थ आरक्षक ने खुद के सर्विस राइफल से गोली मारकर आत्महत्या की है। घटना की सूचना मिलते ही एडिशनल एसपी चंद्रेश सिंह ठाकुर मौके पर पहुंचे। एसडीओपी अनुज गुप्ता भी मौके पर हैं।

थाना परिसर में गोली चलने से हड़कंप मच गया है। इधर अफसरों ने थाने के भीतर आवाजाही पर रोक लगा दिया है। मृतक सिपाही का नाम दिनेश कोसले है। वह थाने परिसर में बने आवास में रहता था। कांस्टेबल ने सुसाइड क्यों किया अभी तक इस कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। इधर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। बता दें कि दो महीने पहले इसी थाने में एक सब इंस्पेक्टर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। जिसके बाद थाने में सुसाइड का यह दूसरा मामला है।

रिश्तेदारों में विवाद, धान के फसल में दवा डालकर किया नष्ट

बिलासपुर। रतनपुर क्षेत्र के चपोरा में रिश्तेदारों के बीच चल रहे विवाद के दौरान किसी ने खेत में लगे धान के फसल में दवा डालकर नष्ट कर दिया। महिलाओं ने इसकी शिकायत रतनपुर थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। गौरेला के बंधवाटोला में रहने वाली सुनिता बाई साहू गृहणी हैं। उनका मायका रतनपुर क्षेत्र के चपोरा में है। उनके पिता कार्तिक राम साहू का चार साल पहले देहांत हो चुका है। उनके नाम पर गांव में खेत और मकान है। शनिवार को सुनिता अपनी बहन अनिता के साथ पिता की जमीन की सफाई कर रही थी। इसी दौरान उनके चाचा नवल साहू ने दोनों बहनों से गाली-गलौज कर जमीन से जाने के लिए कहा। इस पर दोनों बहन वहां से चली गई। शाम को ही वे मंदिर खार में स्थित अपने खेत को देखने के लिए गई। खेत में लगे फसल में किसी ने रासायनिक दवा डालकर नष्ट कर दिया था।

करोड़ों की जमीन बेचकर भी लूट गया शख्स, कनपटी पर बंदूक टिकाकर खाते से कर दिया लाखों पार

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव शहर में बंदूक की नोक पर साइन करवाकर खाते से 10 लाख रुपए निकालने का मामला सामने आया है। मामला चिखली चौकी क्षेत्र का है। जहां जमीन का सौदाकर रजिस्ट्री के बाद रुपए मांगने पर युवक को जमीन के सौदागरों ने रिवॉल्वर टिकाकर धमकी दी। जबरदस्ती उसके चेक बुक पर साइन कराकर लाखों रुपए अकाउंट से निकाल लिए। पीड़ित ने इसकी शिकायत थाने में की है। पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफधोखाधड़ी सहित अन्य अपराध के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस ने बताया कि कंचनबाग निवासी पीड़ित रामा साहू ने शिकायत दर्ज कराई है कि उनकी चिखली में 1.20 एकड़ जमीन है। जमीन को वह आर्थिक तंगी के कारण बेचना चाह रहा था। रितेश गजभिए और सज्जू सोनवानी ने रामा साहू से संपर्क किया और एक बड़े प्रोजेक्ट के लिए जमीन की जरूरत होना बताया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच कर रहे हैं।

जान से मारने की भी धमकी दी गई

रितेश व सज्जू ने रामा को अपने झांसे में लेकर उसकी जमीन का 1 करोड़ 81 लाख रुपए में मौखिक सौदा किया और रामा को जमीन की रजिस्ट्री कराने पंजीयन कार्यालय लेकर गए। जहां रुपए मांगने पर रकम बड़ी होने की वजह से रजिस्ट्री के बाद देने की बात कही। रजिस्ट्री पूरी होने के बाद जब रामा ने अपने रुपए मांगे तो दोनों उसे घर छोडने की बात कहकर ठेलकाडीह के पास ले गए। जहां सूनसान जगह में आरोपियों ने उसकी कनपटी पर पिस्तौल और चाकू टिकाया। रुपए मांगने पर सज्जू और रितेश ने उसे जान से मार देने की धमकी दी।

रिवाल्वर टिका कर कराया साइन

दोनों ने रामा के चेकबुक भी ले लिए और रिवाल्वर का डर दिखाकर उससे दस्तखत कराए। इसके बाद आरोपियों ने चेक के माध्यम से बारी-बारी से उसके खाते से 10 लाख रुपए का आहरण भी कर लिया। शिकायत पर पुलिस आरोपी सज्जू सोनवानी और रितेश गजभिए के खिलाफ धारा 420, 120 बी, 365, 386, 506, 34 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में जुटी है।

गवाह के घर घुसकर आरोपित ने की मारपीट दो गंभीर

बिलासपुर (ए)। सरकंडा क्षेत्र में युवकों ने मारपीट के मामले में गवाह के घर में घुसकर लाठी और राड से पिटाई की। मारपीट से घायल दो लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमले के बाद आरोपित युवक वहां से फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। सरकंडा के बंधवापारा गीतांजली स्कूल के पास रहने वाले होरीलाल धुरी आटो चालक हैं। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि एक सप्ताह पहले मोहल्ले में रहने वाले रघुवीर श्रीवास की विष्णू बसोड़ ने अपने साथियों की पिटाई की थी। मामले में होरीलाल का भाई सनत गवाह है। विष्णु अपने भाई देवा और साथियों के साथ वहां पर आया। युवकों ने आटो चालक के घर में घुसकर गवाही देने के नाम पर गाली-गलौज के साथ मारपीट की।

तेज रफ्तार मेटाडोर अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई, 3 की मौत, 5 की हालत गंभीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। तेज रफ्तार मेटाडोर के अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराने से तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं इस दुर्घटना में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना सोमवार तड़के सुबह राजनांदगांव के छुरिया की है। मिली जानकारी के अनुसार छुरिया के कल्लूबंजारी के नजदीक यह हादसा हुआ। मेटाडोर के पेड़ में टकराने से घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक युवक ने राजनांदगांव में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में आधा दर्जन जख्मी हो गए हैं, जिसमें 5 लोगों को गंभीर चोंटे आई हैं। दो की हालत गंभीर बताई जा रही है ।

दुर्घटना में तीन लोगों की मौत

मिली जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह लगभग 5 बजे मेटाडोर क्रमांक सीजी-10-सी-4100 महाराष्ट्र की ओर से छुरिया की ओर आ रही थी। जिसमें 9 लोग सवार थे। अचानक बम्हनी के पास बाएं तरफ सडक़ किनारे पेड़ से मेटाडोर टकरा गई। जिससे गाड़ी का सामने का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में कुशल गोंड और आकाश यादव की घटनास्थल पर मौत हो गई। हर्ष ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। वहीं रामचरण, अजय सिन्हा, प्रहलाद गौर, पंडित ठाकुर जख्मी हुए हैं।

जांजगीर में पकड़ाए पश्चिम बंगाल के चोर

बर्तन बेचने के बहाने रेकी फिर करते थे चोरी

जांजगीर-चांपा। जिले में पांच दिन पहले हुई एक चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से सवा दो लाख रुपए का मशरुका जब्त किया गया। खासबात यह है यह चोर छत्तीसगढ़ के नहीं बल्कि पश्चिम बंगाल के हैं जो बर्तन बेचने के बहाने पहले रेकी करते और उसके बाद चोरी की घटना को अंजाम देकर भाग जाते थे। इस चोरों के निशाने पर रेलवे स्टेशन से लगे छोटे शहर होते हैं। चोरी के आसानी से ट्रेन पकड़कर भाग जाते हैं।

बता दें 5 अक्टूबर को मिशन कम्पाउण्ड निवासी एलियंट नंद (70) ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया था कि 23 सितंबर को वह अपनी पत्नी का ईलाज कराने कोरबा गया था। ईलाज के बाद 5 अक्टूबर की सुबह घर पहुंचा तो देखा कि उसके कमरे की अलमारी खुली है और किसी ने उसमें रखे जेवर व नगदी पार कर दिया है। कमरे में जो खिड़की लगी है उसका ग्रिल भी टूटा हुआ था। शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस को मुखबिर से पता चला कि नैला में कुछ संदिग्धों देखा गया है। इसके बाद पुलिस ने नैला से दो लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस की पूछताछ में दोनों ने सारा राज उगल दिया। आरोपियों में मोहम्मद ईमरान निवासी हरिहरपुर जिला दक्षिण दिनाजपुर व आरिफ हुसैन बीरपारा अलीपुर द्वार पश्चिम बंगाल शामिल है। आरोपियों के पास से पुलिस ने सोने चांदी के जेवरात एवं नकदी रकम सहित कुल 2,25,000 रुपये से ज्यादा का मशरूका बरामद किया गया। पिछले दिनों जैन मंदिर नैला में चोरी में इन्हीं दोनों का हाथ निकला।

रेलवे ट्रैक पर खड़े-खड़े चलती ट्रेन से पार कर देते थे मोबाइल, आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। पुलिस की पकड़ में एक ऐसा लुटेरा गैंग आया है जो स्कूटी में घूम-घूमकर वारदातों को अंजाम देता था। इस गैग ने चलती ट्रेन में दरवाजे के पास खड़े यात्री का मोबाइल भी लूट लिया। यही नहीं लूट की घटना का यह वीडियो इंस्टाग्राम पर रील बनाकर पोस्ट किया था। पुलिस की गिरफ्त में आने के बाद लुटेरों ने कई चौंकाने वाले खुलासे भी किए। पुलिस ने आरोपियों के पास से 12 मोबाइल व एक टैबलेट के साथ ही लूट में प्रयुक्त होने वाला स्कूटर भी जब्त किया है।

लूट की घटनाओं का खुलासा करते हुए एसपी डॉ अभिषेक पल्लव ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से पद्मनाभपुर चौकी क्षेत्र में लूट की घटनाएं बढ़ गई थी। लूट की सभी वारदात लगभग एक जैसी थी। इसके बाद लुटेरों की तलाश के लिए टीम बनाई गई। सीसी टीवी फुटेज में आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। आरोपियों में समीर अली उर्फ छोटू व राहुल मेश्राम शामिल हैं। आरोपियों से पूछताछ में सभी लूट की घटनाओं को विस्तार पूर्वक बताया। दोनों लुटेरे मिलकर सीजी 07 एल 0890 से चलकर लूट की घंटनाओं को अंजाम देते हैं। 14 सितंबर को कलेक्टर बंगला सिविल लाईन पदमनामपुर कलेक्टर बंगला सिविल लाईन पदमनाभपुर, 7 अक्टूबर की रात 8.30 बजे कसारीडीह सांई मंदिर जाने वाली रोड पर तथा 8 अक्टूबर को रविशंकर स्टेडियम मोड के पास, फारेस्ट ऑफिस के पास, डॉ. आलोक दिक्षित विलिनिक के पास पदमनाभपुर सहित कई जगह लूट की घटनाओं को अंजाम दिया गया।

आनलाईन सट्टा महादेव बुक के स्टोरियों पर हुई बड़ी कार्रवाई, 6 सटोरिए गिरफ्तार

बलौदाबाजार। ऑनलाइन सट्टा महादेव बुक आईडी के सटोरियों के खिलाफबड़ी कार्रवाई की गई है। बलोदाबाजार भाटापारा पुलिस ने रायपुर स भाटापारा के 6 सटारियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने जगदीश कलवानी महासती वार्ड भाटापारा को रंगे हाथ पकडा गया था। इसके मोबाइल में गजानंद एवं क्लासिक 7777 नाम से आईडी का लिंक भी मिला और रुपए लेनदेन का ब्योरा भी पुलिस ने जमा किया।

इसके बाद एसपी के निर्देश पर जिले में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा का संचालन करने वाले गिरोह पर शिकंजा कसने हेतु तत्काल एक पुलिस टीम का गठन किया गया। साथ ही सायबर सेल की एक तकनीकी टीम द्वारा ऑनलाइन सट्टा का मुख्यालय, इसका संचालन आदि के संबंध में जानकारी इकट्ठा करना प्रारंभ किया गया। इस पूरे प्रकरण में तकनीकी विश्लेषण पर ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा का संचालन तिल्दा जिला रायपुर से होने की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने यहां रेड की और 6 सटारियों को गिरफ्तार किया।

इन सटोरियों के पास से कुल 10 मोबाईल फोन, 03 लेपटॉप, 01 वाईफाई, 01 कैलकुलेटर जप्त किया गया। आरोपियों द्वारा जिस-जिस बैंक खाता में ऑनलाइन पैसा लिया जाता था, उसे सीज कर कुल 11,38,276 रूपए जब्त किया गया। जप्ती किया गया । आरोपियों के बैंक खाते को चेक करने पर अब तक 1 करोड़ 28 लाख 30 लाख 398 सट्टे का लेखा-जोखा मिला।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग, दुर्ग

// मैनुअल पद्धति निविदा सूचना //

ज्ञाप क्रमांक-13219/व.ले.लि./लेखा खंड/2022-23 दुर्ग, दिनांक 07/10/2022

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु प्रमुख अभियंता, लो.नि.वि. रायपुर द्वारा जारी भवन/सड़क SOR दिनांक 01.01.2015 तथा निविदा तिथि तक जारी संशोधन के अंतर्गत मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है:-

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 21/10/2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक

निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि :- 27/10/2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक

ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 02/11/2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि :- 03/11/2022 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम NoOfCalls	कार्य की अनुमानित लागत (रू.लाख में)
1	2	3
16 T0070	शासकीय पालिटेक्निक दुर्ग में आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में रंगाई, पोताई, डिस्टेम्परिंग एवं खिड़की दरवाजे में पेंटिंग का कार्य (द्वितीय आमंत्रण)	20.00
16 T0071	शासकीय पालिटेक्निक दुर्ग में साधारण मरम्मत का कार्य (द्वितीय आमंत्रण)	20.00

☐ General Condition ☐ Plant Condition ☐ Special Condition

नोट:- (1) " It is mandatory for the "B", "C" & "D" Class bidders, to submit (Annexure 3, Annexure- "2"

(2) It is Mandatory for the "A" Class bidder, to submit affidavit (Annexure 3, Appendix 1, Annexure 1,2.

(3) अन्य निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। एवं अन्य निविदा संबंधी शर्तों का अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

जी-94895/3

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग दुर्ग

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड राजेन्द्र पार्क चौक दुर्ग (छ.ग.)

दूरभाष क्र. 0788-2323633 E-mail:eedurg-phe-cg@nic.in

// ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना //

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग छ.ग. शासन में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत 'ए, बी, सी, डी' श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र ''ए'' में प्रतिष्ठत दर पर दुर्ग जिले के विकासखंड पाटन के निम्नलिखित ग्रामों में जल जीवन मिशन अंतर्गत सिंगल विलेज योजना में विभिन्न कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	नि.सू.क्र./दिनांक	सिस्टम क्र.	विकासखंड	ग्राम का नाम	अनुमानित लागत (रू.लाख में)
1	84/07.10.2022	111257	पाटन	कसही	86.76
2	85/07.10.2022	111258	पाटन	नवागांव	95.52
3	86/07.10.2022	111259	पाटन	आमालोरी	88.69
4	87/07.10.2022	111260	पाटन	बरबसपुर	71.64
5	88/07.10.2022	111261	पाटन	कुर्मागुण्डरा	133.93
6	89/07.10.2022	111262	पाटन	सेमरी	113.28
7	90/07.10.2022	111263	पाटन	गुढ़ियारी	45.83
8	91/07.10.2022	111264	पाटन	खम्हरिया	53.96
9	92/07.10.2022	111265	पाटन	सिपकोना	142.43
10	93/07.10.2022	111266	पाटन	कुम्हली, बोरवाय, औरी	280.26
11	94/07.10.2022	111267	पाटन	बीजाभाठा, करेला, मोहभट्ठा, भनसुली (आर)	345.82
12	95/07.10.2022	111268	पाटन	अकतई, रीवागहन, चारभाठा, ओदरागहन, धमना	329.62
13	96/07.10.2022	111269	पाटन	कौही, झाड़मोखली, डिडगा, पाहंदा (झाड.)	414.15
14	97/07.10.2022	111270	पाटन	रेंगाकठेरा, केसरा, जरवाय, खर्रा	414.89

नोट:- उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानाकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in दिनांक 18.10.2022 से देखे जा सकते हैं तथा बिड सबमिशन की अंतिम तिथि दिनांक 28.10.2022 है।

जी-94867/7

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड,
दुर्ग (छ.ग.)

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

कोल्ड रिपेयर के बाद कोक ओवन बैटरी-02 की कमीशनिंग

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के कोक ओवन बैटरी क्रमांक-02 को 22 दिसम्बर 1959 से उत्पादन प्रक्रिया में शामिल किया गया था, जिसने लगभग 63 वर्षों का जीवनकाल पूर्ण किया है। कोल्ड रिपेयर के बाद बैटरी का उद्घाटन दिनांक 08 अक्टूबर 2022 को सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता द्वारा किया गया। इस अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र के संयंत्र के कार्यपालक निदेषक ए के भट्टा, कार्यपालक निदेषक अंजनी कुमार सहित मुख्य महाप्रबंधकगणों एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थिति थे। बैटरी की कोल्ड रिपेयर फरवरी 2020 में प्रारंभ की गई थी, जिसे कोविड महामारी की चुनौतियों के बावजूद 33 महीनों में पूर्ण कर लिया गया। इस महत्वपूर्ण कार्य में 19000 मीट्रिक टन रिफ्रेक्टरी कार्य, 4000 मीट्रिक टन के स्ट्रक्चरल कार्य, अन्य यांत्रिक, विद्युत और सिविल मरम्मत के साथ-साथ बैटरी के मशीनों में सुधारात्मक कार्य के साथ-साथ बैटरी के पुरानी संरचना को हटाने तथा नये संरचना को स्थापित करने जैसे कार्य शामिल थे। पर्यावरण संरक्षण उपाय के रूप में निरंतर उत्सर्जन निगरानी प्रणाली के साथ वायु प्रदूषण को रोकने के लिए बैटरी, हाई प्रेशर लिकर एस्पिरेशन सिस्टम, जीरो लीक ओवन डोर आदि उपकरणों से लैस है। इस मरम्मत कार्य को टीम कोक ओवन द्वारा कैपिटल रिपेयर ग्रुप के मेकेनिकल एवं रिफ्रेक्टरी समूह, मेकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल मेंटेनेंस, हीटिंग एवं रेगुलेषन ग्रुप और संबंधित विभागों जैसे इंस्ट्रुमेंटेशन, सिविल आदि के साथ मिलकर पूर्ण किया है।

युवाओं ने लिया तकनिकी प्रशिक्षण मिला प्लेसमेंट

दुर्ग। एमएसएमई रसमड़ा में छ.ग. राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम द्वारा प्रायोजित आवासीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम छ.ग. राज्य के अनुसुचित जाति वर्ग के दसवीं परीक्षा उत्तीर्ण युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण के माध्यम से रोजगार के अवसर प्रदान किये जा रहे है। इस कड़ी में एमएसएमई रसमड़ा में 03 माह का सर्टिफिक्रेट कोर्स इन सी.एन.सी. ट्रेनिंग में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। विगत दिनों समापन समारोह का आयोजन उपमहाप्रबंधक एमएसएमई रसमड़ा द्वारा आायोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि सुश्री नीता लोधी (राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त) उपाध्यक्ष छ.ग. राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम नया रायपुर रही। उन्होंने अपने उद्दबोधन में सभी प्रशिक्षणार्थीयों को विभिन्न कम्पनियों में मिले प्लेसमेंट के आधार पर अपना काम ईमानदारी, कठोर परिक्षम एवं पूर्ण निष्ठा से करने का आहुवान किया। आदतों को छोड़कर अब नई शुरूआत करते हुए अपने परिवार व अपना जीवन स्तर ऊँचा उठाने के साथ-साथ इस प्रशिक्षण का प्रचार - प्रसार कर अपने परिचितों व परिवार के अन्य सदस्यों को इसका लाभ दिलाने का संकल्प कराते हुये शपथ दिलाई गई।

नेहरू युवा केंद्र संगठन की बैठक 19 अक्टूबर को

दुर्ग। नेहरू युवा केंद्र संगठन की वार्षिक कार्य योजना के नियोजन हेतु बैठक कलेक्टर प्रतिनिधि संयुक्त कलेक्टर श्री गोकुल रावटे की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट परिसर में 19 अक्टूबर को दोपहर 12:30 बजे आयोजित की गई है। बैठक में नेहरू युवा केंद्र की वार्षिक कार्य योजना, स्वच्छ भारत कार्यक्रम एवं अन्य विभागों के साथ कार्यक्रम के समन्वयक एवं समीक्षा पर चर्चा की जाएगी।

बड़े शहरों की बजाए अब भिलाई में होगी आसानी से डिजीज जांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

शुरू हुआ रीजनल क्लिनिकल एंड इंफेक्शस डिजीज लैबोटरिज

भिलाई। शहर के लोगों को अब खून सहित अन्य कई तरह की बीमारियों और वायरस की जांच के लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा। क्योंकि शहर में राज्य का पहला प्राइवेट रीजनल क्लिनिकल एंड इंफेक्शस डिजीज सेंटर नंदिनी रोड़ में शुरू हुआ। इसका उद्घाटन डा शंकर सेनगुप्ता एमडी, मेडिकल सुपरीटेंडेंट एवं एचओडी लैबोटरी सर्विस, चितरंजन नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट कोलकाता ने किया।

इस अवसर पर विधायक देवेन्द? यादव एवं उनका परिवार, सीएचएमओ जेपी मेश्राम सहित शहर के कई चिकित्सक मौजूद थे। सेंटर की डायरेक्टर डॉ श्रुतिका ताम्रकार यादव ने बताया कि इस लैब के शुरू होने के बाद किसी भी जांच के लिए मरीजों को अब दो से तीन दिन का इंतजार नहीं करना होगा। उन्होंने बताया कि कई जांच शहर में नहीं होती थी और सैंपल को दूसरे शहरों में भेजा जाता था, लेकिन अब लोगों को रियायती दाम पर अच्छी जांच के लिए लैब की सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि इससे लोगों का समय भी बचेगा और रिपोर्ट के आधार पर इलाज भी जल्दी शुरू हो सकेगा।

महिलाओं को भी मदद

डॉ श्रुतिका ने बताया कि वे इस लैब के माध्यम से महिला स्वालंबन को भी बढ़ावा दे रही है। उन्होंने लैब में उपयोग होने वाले एप्रॉन स्वसहायता समूह से तैयार कराए हैं। भविष्य में भी कई ऐसी चीजें जो समूह तैयार कर पाएगा वे उनसे ही लेंगी ताकि वे भी आत्मनिर्भर बन सकें।

ठेकेदारों की धमकी से थर्राया बीएसपी प्रबंधन

वाहनों को मिली प्रवेश की अनुमति, काम बंद करने की दी थी चेतावनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। ठेकेदारों की धकमी ने बीएसपी प्रबंधन को बैकफुट पर ला दिया है। सोमवार को बीएसपी प्रबंधन के खिलाफ ठेकेदारों के प्रदर्शन के बाद इनके वाहनों को प्रवेश की अनुमति मिल गई है। बीएसपी प्रबंधन ने ठेकेदारों के वाहनों पर को सुबह 10 से शाम 4 बजे तक प्रवेश की अनुमति दे दी है। वहीं अन्य मांगों पर पर भी सकारात्मक पहल करने का आश्वान दिया है। वेलफ्यर काट्रैक्टर एसोसिएशन ने इसकी पुष्टि की है।

बता दें सोमवार को सुबह ठेकेदारों ने आईआर विभाग के गेट में वाहनों को प्रवेश नहीं देने पर जमकर प्रदर्शन किया था। बीएसपी वेलफ्यर काट्रैक्टर एसोसिएशन के लोगों ने बीएसपी प्रबंधन दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। इस दौरान ठेकेदारों ने बीएसपी को खुली चेतावनी दे ड़ाली। ठेकेदारों का कहना था कि यदि बीएसपी प्रबंधन उनकी मांगों को पूरा नहीं करता तो 100 फीसदी काम बंद कर दिया जाएगा।

इस दौरान ठेकेदारों का कहना था कि लोकल ठेकेदारों के पास बीएसपी का अथराइन्ड गेट पास है और वाहनों के लिए एरिया पास लिया गया है इसके बाद भी वाहनों को प्रवेश से रोका जा रहा है। बीएसपी में लोकल व बाहरी ठेकेदारों के बीच भुगतान में भारी अंतर है।

बाहरी ठेकेदारों को 2200 रुपए प्रति मजदूर व स्थानीय ठेकेदारों को 500 रुपए प्रति कर्मचारी भुगतान किया जाता है। भुगतान में यह अंतर समझ से परे है।

आयुक्त रोहित व्यास ने मुख्य कार्यालय के विभागों का किया औचक निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । निगम आयुक्त रोहित व्यास ने आज निगम मुख्य कार्यालय के विभागों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को अपने दफ्तरों में सफाई रखने के निर्देश दिए, मुख्य आवक-जावक शाखा के निरीक्षण के दौरान पत्राचार को शीघ्र ही प्रेषित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्राप्त होने वाले पत्र बहुत महत्वपूर्ण होते हैं इन्हें अति शीघ्र प्रेषित करने का कार्य करें। विभागों के निरीक्षण के दौरान उन्होंने कर्मचारियों की उपस्थिति का भी जायजा लिया।

विभिन्न कार्यों से आने वाले लोगों से आयुक्त ने चर्चा कर उनके निगम दफ्तर आने का कारण पूछा और समस्याओं के निराकरण के लिए उन्होंने अधिकारियों को मौके पर निर्देश दिए। बहुत से ऐसे प्रमाण पत्र जो मितान योजना से जुड़े हुए हैं इसके माध्यम से उन्हें घर पहुंच सेवा प्राप्त होती है उसकी जानकारी उन्होंने जरूरतमंद लोगों को दी। इस दौरान उन्होंने योजना का संचालन कर रहे अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि योजना से संबंधित डिस्प्ले आवश्यक रूप से शाखा के बाहर लगे हुए हो जिससे हितग्राहियों को भटकने की आवश्यकता न हो और वे आसानी से योजनाओं का लाभ उठा सकें। निगम आयुक्त ने आज स्टेनो कक्ष, रिकॉर्ड रूम, भवन संधारण, भवन अनुज्ञा, स्वास्थ्य विभाग, जन सूचना विभाग, राजस्व विभाग, संपत्तिकर विभाग, लेखा विभाग, परियोजना शाखा, स्वान रूम, अभियंता कक्ष, स्थापना कक्ष, डाटा सेंटर, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र शाखा, लोक सेवा गारंटी के काउंटर, टैक्स कलेक्शन के काउंटर आदि का निरीक्षण कर विभागीय कार्यों की अधिकारियों से जानकारी ली।

छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेल में शामिल हो रहे खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने पहुंचे कलेक्टर एवं निगम कमिश्नर

कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा ने नचाया भंवरा तो वही कमिश्नर रोहित व्यास ने पिट्ठूल में दिखाया दमखम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा एवं निगम आयुक्त रोहित व्यास आज जेपी स्कूल बैकुंठ धाम पहुंचे। छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेल में शामिल होने वाले खिलाड़ियों का उन्होंने स्वयं खेल में शामिल होकर उत्साहवर्धन किया। कलेक्टर श्री मीणा ने भंवरा अपने हाथ में लिया तो वही निगम आयुक्त रोहित व्यास ने पिट्ठूल में एक कुशल खिलाड़ी की तरह बेहतर प्रदर्शन किया।

कलेक्टर ने कहा कि मानसिक एवं शारीरिक विकास के लिए खेल आवश्यक है वहीं जहां छत्तीसगढ़ी परंपरा से जुड़े हुए खेल को खेलने का मौका मिले तो निवासरत लोगों के लिए इसका उत्साह और भी बढ़ जाता है। कलेक्टर एवं निगमायुक्त खेल मैदानों जहां पर छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेल का आयोजन हो रहा है वहां पहुंचे और खेल में शामिल हुए। जब से खेल का आयोजन प्रारंभ हुआ है तब से लेकर प्रतिदिन खेल खेलने वालों में गजब का उत्साह दिख रहा है। महिलाएं हो, चाहे बच्चे हो, युवा हो सभी खेल में शामिल हो रहे हैं। उल्लेखनीय है कि माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी के निर्देश पर छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेल का आयोजन सभी जिलों में किया जा रहा है वही इस खेल को लेकर शहर में भिलाईवासी काफी उत्साहित है, और हर दिन खेल प्रांगण में पहुंचकर खेल में अपना दमखम साबित कर रहे हैं। शहर के महापौर नीरज पाल ने जनप्रतिनिधियों के साथ छत्तीसगढ़िया खेल का खूब लुफ्त उठाया और जमकर खेल में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। भिलाई निगम ने अपील है कि 11 अक्टूबर तक प्रथम चरण के खेल का आयोजन होना है जिसमें अधिक से अधिक संख्या में शामिल हो सकते हैं। विजेताओं को अगले चरणों के खेल में भाग लेने का मौका मिलेगा और वह पुरस्कार भी अर्जित कर सकेंगे। खेल मैदान में आज अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, वैशाली नगर निगम के जोन अध्यक्ष रामानंद मौर्या, महापौर परिषद के सदस्य एवं खेल प्रभारी आदित्य सिंह ने भी खेल का खूब आनंद लिया। 14 प्रकार के छत्तीसगढ़िया खेल जिसमें पिट्ठुल, गिल्ली डंडा, संखली, लंगडी दौड़, कबड्डी, खो-खो, रस्साकशी, बाटी (कंचा), बिल्ल्स, गेड़ी दौड़, भंवरा, 100 मीटर दौड़ एवं लंबी कूद का खेल शामिल है का लोग खेल मैदानों में पहुंचकर और खेलकर खूब आनंद ले रहे हैं।

वन्यप्राणी संरक्षण सप्ताह के समापन समारोह के अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के उद्यान विभाग द्वारा अक्टूबर माह के प्रथम सप्ताह में वन्यप्राणी संरक्षण सप्ताह के अन्तर्गत स्कूली बच्चों के मध्य चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता सहित अन्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

तत्पष्चात 9 अक्टूबर को मैत्री बाग के मोमबत्ती लॉन में समापन समारोह के अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन मुख्य वन संरक्षक, दुर्ग बीपी सिंह के मुख्य आतिथ्य एवं कार्यपालक निदेषक एम एम गद्रे की अध्यक्षता तथा वनमंडलाधिकरी, दुर्ग शषी कुमार एवं मुख्य महाप्रबंधक एस व्ही नंदनवार के विषेष आतिथ्य में मैत्री बाग प्रांगण के मोमबत्ती लॉन में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में विभागीय अधिकरियों, कर्मचारियों, स्कूली बच्चों सहित गणमान्य नागरिकों ने बड़ी संख्या में अपनी उपस्थिति दी।

सर्वप्रथम उद्यान विभाग के उप महाप्रबंधक डॉ एन के जैन एवं पी पी रॉय एवं अन्य विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा मुख्य अतिथि एवं अतिथियों का स्वागत किया गया। साथ ही स्कूली बच्चों द्वारा उनके सम्मान में स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। तत्पष्चात् प्रतिभागी बच्चों द्वारा बनाई गई पेंटिंग एवं प्रदर्षित फोटोग्राफी का अतिथियों द्वारा अवलोकन किया गया। विभाग की ओर से वार्षिक प्रतिवेदन उपमहाप्रबंधक (उद्यान) डॉ एन के जैन द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसमें उनके द्वारा उद्यान विभाग द्वारा किये गये कार्यों की विस्तृत रूप से जानकारी दी गई एवं अतिथियों का अभिवादन किया गया। मुख्य अतिथि के आसंदी से बोलते हुए बी पी सिंह ने कहा कि वन्य प्राणियों के रूप मे प्रकृति ने हमें अनमोल धरोहर दी है जिसको संजोकर और संभाल कर रखना विभागीय नहीं बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी है इस बात का स्मरण हमें वन्यप्राणी संरक्षण सप्ताह जैसे आयोजनों से होता है क्योंकि कि ऐसे आयोजन वन्यप्राणियों के संरक्षण में जागरूकता पैदा करने में मील का पत्थर साबित होते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री एम एम गद्रे ने अपने उद्बोधन में कहा कि वन्यप्राणी संरक्षण सप्ताह जैसे कार्यक्रम न केवल ज्ञानवर्धक होते हैं बल्कि आने वाली पीढ़ी को भी जागरूक करने में सहायक और कारगर होते हैं, बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों की प्रतिभागिता और उपस्थिति इस बात का साक्षात् प्रमाण हैं। भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन भी न केवल पर्यावरण की रक्षा के लिए बल्कि वन्य प्राणियों की रक्षा के लिए पूरी तरह से सजग और सतर्क है।

पंडित रविशंकर शुक्ल स्टेडियम में अग्निवीर भर्ती रैली का होगा आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। अग्निवीर भर्ती रैली का आयोजन 01 दिसंबर से 15 दिसंबर तक पंडित रविशंकर शुक्ल स्टेडियम दुर्ग में आयोजन किया जाएगा। उक्त आयोजन हेतु आवश्यक तैयारियां जैसे विभिन्न विभागों द्वारा इस आयोजन में किये जाने वाले कार्य जैसे ठहरने की व्यवस्था, भोजन की व्यवस्था, पेयजल की व्यवस्था, मैदान में साफ-सफाई की व्यवस्था इत्यादि के संबंध में कलेक्टर महोदय द्वारा निर्देशित किया गया है।

ट्रैफिक, पार्किंग और सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस विभाग को प्लानिंग करने के दिए निर्देश- 01 दिसंबर से 15 दिसंबर तक पंडित रविशंकर शुक्ल स्टेडियम दुर्ग में आयोजित होने वाले भती में लगभग 60 हजार अभ्यार्थियों के आने की संभावना है जिसके लिए कलेक्टर श्री पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने पूरी तैयारी करने के निर्देश दिए।

साफ-सफाई का रखा जाएगा ध्यान एन.सी.सी., स्काउट गाइड और एन.एस.एस. के छात्र करेंगें वालिंटियर- अक्सर इस तरह के आयोजनों में भारी भीड़ के कारण साफ-सफाई की व्यवस्था ठीक से नहीं हो पाती जिसके कलेक्टर ने साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के लिए निगम अधिकारियों को निर्देशित किया।

उक्त बैठक में अपर कलेक्टर अरविन्द एक्का, एडिशनल एस.पी. ग्रामीण नंद कुमार साहू, सूबेदार मेजर सतीश, जिला शिक्षा अधिकारी अभय जयसवाल, आर.आई. पुलिस लाईन रमेश चंद्रा, आर.आई. यातायात अनिश सारथी उपस्थित रहे।

पद संभालने के बाद आयुक्त लोकेश चंद्राकर का पहला निरीक्षण

गंदगी फैलाने वाले दुकानदारों की खैर नही, चलान काटने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकार ने सोमवार अल सुबह नया बस स्टैंड पहुँचे, उन्होंने साफ सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सफाई को लेकर संबंधित अधिकारियों को विशेष दिशा निर्देश भी दिए। पद संभालने के बाद आयुक्त लोकेश चंद्राकार का यह पहला निरीक्षण,उन्होंने नया बस स्टैंड से शुरुवात की।

निरीक्षण के मौके पर कार्यपालन अभियंता प्रमोद दुबे,स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली सहित स्वास्थ्य विभाग अमला मौजूद रहें।आयुक्त श्री चंद्राकार ने कहा की शहर को साफ सुथरा और स्वच्छ बनाए रखने के लिए नगर पालिक निगम विशेष कदम उठाएगी।योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाएगा जिससे शहर की स्वच्छ छवि बने और सुंदर स्वच्छ दुर्ग दिखे।उन्होंने इस दौरान नया बस स्टैंड की सफाई देखी और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। सड़क किनारे हुए अनावश्यक उगे हुए झाड़ियों को काटने के निर्देश दिए गए,निरीक्षण करते हुए सडक किनारे, नाली के ऊपर सहित अन्य स्थान पर अवैध रूप से अतिक्रमण करने वालो पर हटाने का अभियान चलाने को कहा गया। गंदगी फैलाने वाले दुकानदारों की खैर नही चलान काटने के दिए निर्देश।स्वच्छता बनाए रखने के लिए नगर पालिक निगम दुर्ग अलर्ट मोड पर काम कर रहा है,निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि शहर के कोने-कोने से लेकर सकरी बस्तियों तथा मुख्य सड़कों के किनारे से कचरे को हटाने का काम प्रतिदिन किया जा रहा है।आयुक्त ने कहा कि छोटे-छोटे फुटपथ विक्रेता तथा फुटकर विक्रेताओं जो कि सड़क के किनारे सुबह एवं शाम को पृथक-पृथक व्यवसाय करते हैं, इन्हें कचरा फैलने से रोकने के लिए उचित उपाय अपनाना जरूरी है। डोर टू डोर कचरा कलेक्शन में हालांकि निगम हर घर पहुंच रहा है परंतु ठेला, गुमटी व्यवसायी को अपने आसपास स्वच्छता बरकरार रखना होगा, कचरा को एक डस्टबिन में रखने के बाद स्वच्छता कर्मचारी को कचरा देने से कचरा इधर-उधर फैलने का खतरा कम हो जाता है, वही कचरा सीधे डस्टबिन से एसएलआरएम सेंटर में पहुंच जाता है जिसके माध्यम से इसका पृथक्कीकरण करते हुए गीले कचरे से खाद का निर्माण किया जाता है। बीमारी का बहुत बड़ा स्रोत गंदगी भी है जिसको समाप्त करने की आवश्यकता है।दुर्ग निगम इसके लिए सतत प्रयासरत है परंतु आम नागरिकों की सहभागिता इसमें नितांत आवश्यक है जिसके चलते ही कचरा को पूर्णरूपेण शहर से हटाया जा सकता है। ऊपर जुर्माना की कार्यवाही जारी रखी है, शहर में किसी को भी कचरा फेंकते पाए जाने पर तथा गंदगी फैलाने पर जुर्माना लगाया जा रहा है। नाली के समीप मलबा रखने वालों को भी हिदायत दी जा रही है, प्राय: यह देखा जाता है।

दुर्ग विश्वविद्यालय में गांधी जी के मोहनदास से महात्मा गांधी तक के सफर पर रंगोली प्रदर्शनी आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। हेमचंद यादव विष्वविद्यालय, दुर्ग द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित गांधी जी पर केन्द्रित रंगोली प्रदर्शनी का उद्घाटन विष्वविद्यालय की कुलपति, डॉ. अरूणा पल्टा ने किया। स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती महाविद्यालय, हुडको, भिलाई के छात्राओं द्वारा ''मोहनदास से महात्मा गांधी तक के सफर'' को रंगोली के माध्यम से बेहतरीन तरीकें से प्रदर्शित किया गया था। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि विष्वविद्यालय द्वारा वर्तमान में गांधी जी के विचारों पर 01 माह का ऑनलाईन सर्टिफिक्रेट कोर्स जारी है।

इसी संदर्भ में स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती महाविद्यालय, हुडको, भिलाई की प्राचार्या, डॉ. हंसा शुक्ला तथा एनएसएस प्रभारी, प्राध्यापक, श्रीमती संयुक्ता पाढ़ी के मार्गदर्षन में आयोजित इस रंगोली प्रदर्षनी में गांधी जी के बाल्य जीवन से लेकर महात्मा गांधी के रूप में जाने जाने तक के सफर को 01 दर्जन से अधिक रंगीन रंगोलियों के माध्यम से प्रदर्षित किया गया था। विश्वविद्यालय की कुलपति, डॉ. अरूणा पल्टा एवं कुलसचिव, भूपेन्द्र कुलदीप ने रंगोली निर्माण करने वाली छात्राओं की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रदर्षनी के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति को गांधी जी के जीवन से जुड़े अनेक अनजाने पहलुओं की महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई हैं। इस प्रकार के रचनात्मक गतिविधियों से विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों में नई उर्जा का संचार होता है। स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती महाविद्यालय, हुडको, भिलाई की प्राचार्य, डॉ. हंसा शुक्ला ने विष्वविद्यालय प्रषासन को रंगोली प्रदर्षनी के आयोजन की अनुमति प्रदान करने हेतु कहा कि विष्वविद्यालय द्वारा किये गये प्रोत्साहन से विद्यार्थियों में और नया कुछ करने की तथा प्रतिभा को उभारने का अवसर प्राप्त होता है।

विश्वविद्यालय परिसर स्थित टैगोर हॉल में आयोजित इस प्रदर्शनी का अवलोकन विष्वविद्यालय के समस्त अधिकारी, कर्मचारी, विश्व विद्यालय में बाहर से आने वाले जनमानस एवं छात्र-छात्राएं तथा अन्य महाविद्यालयों के प्राचार्यो, एवं प्राध्यापकों ने किया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950